E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्षः 01 | अंकः 11 | पृष्ठः 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, शनिवार 25 जुलाई, 2026 | मूल्यः ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

राहुल गांधी का केंद्र पर हमला, बोले- 'धर्मेंद्र प्रधान अपराधी शिक्षा मंत्री, इस्तीफा देना ही होगा'

"धर्मेंद्र प्रधान एक अपराधी शिक्षा मंत्री हैं।"

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपने आवास 10 जनपथ पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नीट पेपर लीक मामले और छात्र आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। इस दौरान उन्होंने छात्र प्रदर्शन में घायल हुए छात्र साहिल लोचाब को मीडिया के सामने पेश किया और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई। राहुल गांधी ने कहा कि 'धर्मेंद्र प्रधान एक अपराधी शिक्षा मंत्री हैं। वे देश की शिक्षा व्यवस्था के ध्वस्त होने का प्रतीक बन चुके हैं। उन्हें पद छोड़ना ही होगा। आज हजारों छात्र सड़कों पर हैं और इसकी जिम्मेदारी उन्हीं की है।' प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी ने घायल छात्र के हाथ, पीठ और छाती पर लगी चोटों को दिखाते हुए कहा कि साहिल शांतिपूर्ण तरीके से तिरंगा लेकर प्रदर्शन कर रहा था, तभी वह पुलिस की कार्रवाई में घायल हो गया। गौरतलब है कि 20 जुलाई को नीट पेपर लीक के विरोध में छात्रों के संगठन द्वारा संसद मार्च निकाला गया था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई, जिसमें 100 से अधिक छात्र और पुलिसकर्मी घायल हुए थे। इन्हीं में 19 वर्षीय साहिल लोचाब भी शामिल है। साहिल दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के नजफगढ़ का निवासी है और दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (SOL) का छात्र है। परिवार के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान पुलिस की पैलेट गन से उसकी दाहिनी आंख गंभीर रूप से घायल हो गई। उसका इलाज एम्स के जयप्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में हुआ, जहां उसकी सर्जरी भी की गई।

साहिल के परिवार ने बताया कि डॉक्टरों के अनुसार उसकी घायल आंख की रोशनी वापस आने की संभावना केवल एक प्रतिशत है, क्योंकि आंख की पुतली को गंभीर नुकसान पहुंचा है। साहिल की मां ज्योति ने बताया कि उनका बेटा पहले भी छात्र आंदोलनों में हिस्सा ले चुका है। उन्होंने कहा कि साहिल हमेशा पुलिस अधिकारी बनने का सपना देखता था और नीट पेपर लीक के मुद्दे को छात्रों के भविष्य से जुड़ा मानते हुए प्रदर्शन में शामिल हुआ था। राहुल गांधी ने कहा कि जब तक धर्मेंद्र प्रधान को पद से नहीं हटाया जाता, तब तक कांग्रेस इस मुद्दे पर किसी भी प्रकार की चर्चा में शामिल नहीं होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में जब वे शिक्षा मंत्री के खिलाफ जवाब देना चाहते थे, तब उनका माइक्रोफोन बंद कर दिया गया और उन्हें अपनी बात रखने का अवसर नहीं दिया गया। नीट पेपर लीक और छात्र आंदोलन को लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर है। वहीं सरकार का कहना है कि मामले की जांच और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कहा कि देश के युवाओं और छात्रों का भविष्य सुरक्षित रखना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों छात्रों का भरोसा कमजोर किया है।

केंद्र में नए शिक्षा सचिव के रूप में IAS नरेश पाल गंगवार की नियुक्ति पर उठे सवाल

जयपुर। NEET और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित धांधली व पेपर लीक को लेकर देश भर में जारी विरोध प्रदर्शनों और आंदोलनों के बीच केंद्र सरकार द्वारा की गई एक नई प्रशासनिक नियुक्ति पर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। केंद्र सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी नरेश पाल गंगवार को शिक्षा मंत्रालय (उच्च शिक्षा विभाग) का नया शिक्षा सचिव नियुक्त किया है, जिसके तुरंत बाद विपक्षी दलों ने सरकार की नीयत और फैसले पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आईएएस नरेश पाल गंगवार की नियुक्ति के कुछ ही घंटों भीतर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। विपक्ष ने दावा किया कि सरकार ने शिक्षा सचिव के रूप में ऐसे अधिकारी नियुक्त किया है, जिनकी खुद की कार्यप्रणाली पहले से जांच के घेरे में है। विपक्षी दलों का आरोप है कि शिक्षा क्षेत्र में जारी अनियमितताओं के बीच सरकार के पास अब कोई साफ-सुथरा प्रशासनिक चेहरा नहीं बचा है, जिसके पीछे वह अपनी नाकामियों को छिपा सके। विपक्ष ने इस नियुक्ति को लेकर सरकार की जवाबदेही और पारदर्शिता पर भी सवाल उठाए।

पेपर लीक संशोधन बिल सोमवार को संसद में होगा पेश, मंत्री वैष्णव ने सवालों पर कहा- 'नेक्स्ट'

नई दिल्ली। पेपर लीक मामलों पर सख्ती लाने के उद्देश्य से तैयार किए गए पेपर लीक संशोधन विधेयक को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में बिल को स्वीकृति मिली।

हालांकि, यह विधेयक शुक्रवार को संसद में पेश नहीं हो सका। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जानकारी दी कि अब यह बिल सोमवार, 27 जुलाई को संसद में पेश किया जाएगा। कैबिनेट बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव मीडिया को अन्य फैसलों की जानकारी देने पहुंचे, लेकिन पेपर लीक संशोधन बिल पर उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की। पत्रकारों द्वारा बार-बार सवाल पूछे जाने पर उन्होंने केवल एक शब्द 'नेक्स्ट' कहकर अगले सवाल की ओर बढ़ने को कहा। इस दौरान उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में एक रिपोर्टर से यह भी कहा, 'आज कोई पेपर लीक नहीं हो रहा।' गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार रात जारी अपने वीडियो संदेश में कहा था कि पेपर लीक से जुड़े मामलों पर सरकार सख्त कदम उठाने जा रही है।

उन्होंने बताया था कि संशोधन विधेयक पर शुक्रवार को कैबिनेट में चर्चा होगी और उसके बाद इसे संसद में पेश किया जाएगा। सरकार का दावा है कि प्रस्तावित संशोधन के जरिए प्रतियोगी परीक्षाओं में होने वाली गड़बड़ियों पर प्रभावी रोक लगेगी और दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान किया जाएगा।

फ्रांस में भीषण आग : कैप फेरेट प्रायद्वीप को पूरी तरह खाली कराने के आदेश, 40,000 लोग पलायन को मजबूर

पेरिस / मैड्रिड। दक्षिण-पश्चिम फ्रांस के तटीय इलाकों में तेजी से फैल रही 'अत्यंत तीव्र और अप्रत्याशित' जंगल की आग (Wildfire) के कारण अधिकारियों ने प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कैप फेरेट (Cap Ferret) प्रायद्वीप को जमीन और समुद्र दोनों रास्तों से पूरी तरह खाली कराने के आदेश जारी किए हैं। भीषण गर्मी और दावानल के कारण 40,000 से अधिक स्थानीय निवासियों और पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। वहीं, दक्षिण यूरोप में भीषण गर्मी और सूखे के बीच स्पेन सरकार ने भी राजधानी मैड्रिड के आसपास के इलाकों में अनियंत्रित दावानल के खतरे को देखते हुए राष्ट्रीय आपातकाल (National Emergency) की घोषणा कर दी है। फ्रांस में स्थिति बेकाबू : 10,000 हेक्टेयर से अधिक जंगल स्वाहा

फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज (Laurent Nuez) के अनुसार, जिरोंदे (Gironde) प्रांत में लगी आग अब तक 10,000 हेक्टेयर (लगभग 24,700 एकड़) से अधिक वन क्षेत्र को खाक कर चुकी है।

समुद्र के रास्ते रेस्क्यूः जिरोंदे प्रांतीय प्रशासन ने गांव-दर-गांव (village by village) निकासी का आदेश दिया है। नावों और फेरी के जरिए पर्यटकों और निवासियों को आर्काचोन (Arcachon) की ओर सुरक्षित निकाला जा रहा है।

भारी तबाहीः इस आग की चपेट में आने से कम से कम 80 घर पूरी तरह जलकर खाक हो चुके हैं। मुख्य सड़कों को सामान्य यातायात के लिए बंद कर दिया गया है।

दमकल कर्मियों की तैनातीः आर्काचोन खाड़ी के उत्तर में करीब 800 अग्निशामक और 4 वॉटर-बॉम्बिंग विमान आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन स्थिति अब भी नियंत्रण से बाहर है। कैप फेरेट के अलावा, थोड़ा दक्षिण में स्थित प्रसिद्ध रिसॉर्ट शहर बिस्कारोस (Biscarrosse) के पास भी दूसरी बड़ी आग फैल गई है।

पश्चिम बंगालः ममता बनर्जी 27 जुलाई को सीजेपी के विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 27 जुलाई को नई दिल्ली में नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन में शामिल होंगी। इसी के साथ, उन्होंने उत्तर 24 परगना जिले के दमदम निर्वाचन क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के चार बार के लोकसभा सांसद सौगत रॉय को लोकसभा में पार्टी का उपनेता नियुक्त करने की घोषणा की। रॉय ने बीरभूम निर्वाचन क्षेत्र से चार बार की लोकसभा सांसद शताब्दी रॉय का स्थान लिया है। शताब्दी रॉय उन 20 पूर्व तृणमूल कांग्रेस सांसदों में शामिल हैं, जो हाल ही में संपन्न पश्चिम बंगाल चुनावों के बाद त्रिपुरा स्थित राष्ट्रवादी नागरिक पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो गए हैं। इन 20 लोकसभा सदस्यों के एनसीपीआई में शामिल होने के बाद, लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस की मौजूदा संख्या मात्र आठ रह गई है।

जंतर-मंतर निगरानी मामले में केंद्र ने दिल्ली हाईकोर्ट में रखा पक्ष, प्रदर्शनों की वीडियो रिकॉर्डिंग कानून-व्यवस्था के लिए जरूरी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने जंतर-मंतर पर निगरानी और निजता के अधिकार से जुड़े मामले की सुनवाई 27 जुलाई तक के लिए टाल दी है। मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार और याचिकाकर्ता की ओर से निजता के अधिकार और सार्वजनिक स्थानों पर निगरानी को लेकर दलीलें पेश की गईं। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर निजता के अधिकार का दावा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक प्रदर्शनों की वीडियो रिकॉर्डिंग कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक स्वीकृत प्रक्रिया है। तुषार मेहता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद जारी स्थायी आदेश के तहत बड़े प्रदर्शनों की रिकॉर्डिंग की जाती है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान किसी अप्रिय घटना की स्थिति में दोषियों की पहचान करने के लिए वीडियो रिकॉर्डिंग जरूरी होती है। उन्होंने यह भी कहा कि जब प्रदर्शनकारी खुद भी वीडियो बनाते हैं और उसे साझा करते हैं तो सार्वजनिक स्थान पर पूरी निजता की उम्मीद नहीं की जा सकती।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निजता के अधिकार से जुड़े फैसले में साफ किया गया है कि सार्वजनिक स्थानों और प्रदर्शनों के दौरान भी लोगों को निजता का अधिकार प्राप्त है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति की निगरानी करने के लिए कानून, तय प्रक्रिया और सुरक्षा उपायों का होना जरूरी है।

याचिकाकर्ता के वकील ने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर सादे कपड़ों में मौजूद पुलिसकर्मी कैमरों के जरिए 16 से 19 साल के युवाओं की रिकॉर्डिंग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कुछ खबरों में एआई आधारित चेहरा पहचान प्रणाली वाली गाड़ियों के इस्तेमाल की बात सामने आई है, जबकि पुलिस ने अदालत में केवल वीडियो रिकॉर्डिंग की जानकारी दी है। वकील ने कहा कि चेहरा पहचान प्रणाली के आधार पर किसी व्यक्ति के खिलाफ गंभीर कार्रवाई हो सकती है, इसलिए निगरानी के लिए स्पष्ट कानूनी व्यवस्था और डेटा सुरक्षा के नियम जरूरी हैं। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि निगरानी और निजता से जुड़े कानूनी पहलुओं पर अदालत को पहले अपना रुख तय करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इसी विषय से जुड़ी कुछ अन्य याचिकाएं 12 सितंबर को सूचीबद्ध हैं। अदालत ने कहा कि अगर याचिकाकर्ता चाहे तो इस मामले को उन याचिकाओं के साथ जोड़ने का अनुरोध कर सकता है। हालांकि याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि पहले से लंबित याचिकाएं 20 जुलाई की पुलिस कार्रवाई से जुड़ी हैं, जबकि उनकी याचिका उससे पहले दाखिल की गई थी और इसका मुख्य मुद्दा निगरानी तथा निजता का अधिकार है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई को तय की है। सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें विस्तार से सुनीं और कहा कि मामला निजता के अधिकार, सार्वजनिक सुरक्षा तथा कानून-व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्नों से जुड़ा है।

चट्टान गिरने के बाद वाहन में लगी आग, 6 माह के मासूम समेत 13 लोगों की मौत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट बोर्ड (टीडीबी) ने रिसर्च, डेवलपमेंट एंड इनोवेशन (आरडीआई) फंड के तहत 4,744 करोड़ रुपए की कुल लागत वाली 22 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं के लिए 2,192 करोड़ रुपए की आरडीआईएफ सहायता स्वीकृत की गई है। इसकी जानकारी गुरुवार को संसद में दी गई। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में बताया कि बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (बीआईआरएसी) ने भी आरडीआईएफ के तहत सहायता के लिए 390.35 करोड़ रुपए की 8 अन्य परियोजनाओं को शॉर्टलिस्ट किया है। अब तक आरडीआईएफ के तहत दोनों एसएलएफएम (टीडीबी और बीआईआरएसी) को 1,000-1,000 करोड़ रुपए की मंजूरी दी जा चुकी है। यह राशि पात्र प्रौद्योगिकी संस्थाओं और कंपनियों में निवेश के लिए उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में निजी निवेश में लगभग छह गुना वृद्धि हुई है।

पालिकाध्यक्ष बनाने के नाम पर 60 लाख रिश्वत मांगने का आरोप, कांग्रेस विधायक पर केस दर्ज

हनुमानगढ़। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा से कांग्रेस विधायक विनोद गोठवाल के खिलाफ कथित रिश्वतखोरी और धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पूर्व कांग्रेस पार्षद शारदा पूनिया ने आरोप लगाया है कि पालिकाध्यक्ष बनाने के नाम पर विधायक ने 60 लाख रुपये लिए थे। पैसे वापस मांगने पर उन्हें और उनके बेटे को जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायत में विधायक के पीएसओ का नाम भी शामिल किया गया है। शारदा पूनिया के अनुसार, 20 जुलाई 2026 को पीलीबंगा में कांग्रेस मंडल की बैठक के बाद उनके बेटे सूर्यप्रकाश ने विधायक से कथित रूप से दिए गए 60 लाख रुपये लौटाने की मांग की। आरोप है कि इस दौरान विधायक ने पैसे लौटाने से इनकार किया और धमकी दी। शिकायत में मारपीट, गाली-गलौज और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। मामले की शिकायत के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है और जांच सीआईडी-सीबी को सौंपे जाने की बात सामने आई है। वहीं, कांग्रेस विधायक विनोद गोठवाल ने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को निराधार और झूठा बताया है। उनका कहना है कि यह राजनीतिक द्वेष से प्रेरित मामला है तथा उन्होंने किसी भी प्रकार की रिश्वत लेने या धमकी देने से इनकार किया है।

फिलहाल मामले की जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही आरोपों की सत्यता और आगे की कानूनी कार्रवाई स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शिकायत दर्ज होने के बाद मामले से जुड़े सभी तथ्यों और आरोपों की निष्पक्ष जांच की जाएगी। जांच के दौरान शिकायतकर्ता, संबंधित गवाहों तथा अन्य पक्षों के बयान दर्ज किए जाएंगे। साथ ही उपलब्ध दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों का भी परीक्षण किया जाएगा, ताकि पूरे घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। अधिकारियों के अनुसार, यदि जांच के दौरान किसी प्रकार के अतिरिक्त साक्ष्य या नए तथ्य सामने आते हैं तो उन्हें भी विवेचना का हिस्सा बनाया जाएगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच एजेंसियां सभी पहलुओं की गहन पड़ताल कर रही हैं। जांच पूरी होने के बाद उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, विधायक विनोद गोठवाल द्वारा आरोपों से इनकार किए जाने के बाद मामले ने राजनीतिक तूल भी पकड़ लिया है। दोनों पक्ष अपने-अपने दावों पर कायम हैं।

राजस्थान यूनिवर्सिटी गेट पर छात्र नेता शुभम रेवाड़ की भूख हड़ताल दूसरे दिन भी जारी, तीन मांगों को लेकर प्रदर्शन तेज

जयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट पर छात्र नेता शुभम रेवाड़ की भूख हड़ताल शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रही। उनके नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं धरने पर बैठे हैं और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं, जयपुर के जवाहर सर्किल क्षेत्र में भी जेन-Z (Gen-Z) छात्रों ने प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। धरना दे रहे छात्रों का कहना है कि सरकार लगातार छात्रों के मुद्दों की अनदेखी कर रही है, जिसके विरोध में यह आंदोलन शुरू किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। छात्र नेता शुभम रेवाड़ ने कहा कि उनका अनशन तब तक जारी रहेगा, जब तक सरकार उनकी प्रमुख मांगों पर ठोस फैसला नहीं लेती।

छात्रों की प्रमुख मांगें

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा।

राजस्थान विश्वविद्यालय में राजस्थानी भाषा विभाग की स्थापना।

छात्रसंघ चुनावों की बहाली।

प्रदर्शन स्थल पर छात्रों ने सरकार के खिलाफ नारे लगाए और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपनी नाराजगी जताई।

संपादकीय

आपराधिक मामलों में दोषमुक्त अभ्यर्थियों की नियुक्ति पर नई व्यवस्था, विभागीय समिति करेगी चरित्र सत्यापन का निर्णय

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान सरकार के कार्मिक विभाग ने राजकीय सेवाओं में चयनित ऐसे अभ्यर्थियों के चरित्र सत्यापन को लेकर महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण जारी किया है, जिन पर पूर्व में आपराधिक प्रकरण दर्ज रहे हैं, लेकिन वे न्यायालय से दोषमुक्त हो चुके हैं। प्रमुख शासन सचिव हेमंत कुमार गेरा द्वारा जारी परिपत्र में स्पष्ट किया गया है कि ऐसे मामलों में नियुक्ति का निर्णय अब निर्धारित विभागीय समिति की अनुशंसा के आधार पर किया जाएगा। परिपत्र के अनुसार, केवल दोषमुक्त होना नियुक्ति का स्वतः आधार नहीं माना जाएगा। समिति अभ्यर्थी के पूर्ववृत्त, आरोपों की गंभीरता, दोषमुक्ति के आधार तथा यह देखेगी कि दोषमुक्ति सम्मानजनक रूप से हुई है या संदेह का लाभ अथवा समझौते के आधार पर मिली है। इसके बाद ही नियुक्ति के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। राज्य सेवा के पदों के लिए गठित समिति की अध्यक्षता संबंधित विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव या प्रमुख शासन सचिव करेंगे। समिति में संबंधित रेंज के महानिरीक्षक पुलिस द्वारा नामित उपाधीक्षक या उससे उच्च रैंक के पुलिस अधिकारी, विधि विभाग का शासन उप सचिव स्तर का प्रतिनिधि तथा संबंधित विभागाध्यक्ष सदस्य सचिव होंगे। वहीं अधीनस्थ सेवा, मंत्रालयिक सेवा एवं चतुर्थ श्रेणी सेवा के मामलों में संबंधित विभागाध्यक्ष समिति के अध्यक्ष होंगे। समिति में उपाधीक्षक या उससे उच्च रैंक के पुलिस अधिकारी, विधि विभाग का प्रतिनिधि तथा विभाग का संस्थापन प्रभारी अधिकारी (उप निदेशक/संयुक्त निदेशक स्तर) सदस्य सचिव के रूप में शामिल रहेगा। कार्मिक विभाग ने सभी नियुक्ति प्राधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि न्यायिक मामलों में दोषमुक्त अभ्यर्थियों के प्रकरणों का निर्णय इसी समिति के माध्यम से कर नियमानुसार नियुक्ति की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

राजस्थान : जयपुर में नीट परीक्षा लीक के विरोध में छात्रों का प्रदर्शन, मीडिया के खिलाफ भी नारेबाजी

जयपुर में छात्रों का हल्ला बोल!

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट परीक्षा लीक के खिलाफ जारी छात्रों का प्रदर्शन अब जयपुर तक फैल गया है। जवाहर सर्कल के पास पत्रिका गेट पर बड़ी संख्या में छात्र और प्रतियोगी परीक्षा के इच्छुक उम्मीदवार जमा हुए और परीक्षा लीक के खिलाफ नारे लगाते हुए परीक्षा प्रणाली में अधिक जवाबदेही की मांग की। इस दौरान कुछ मीडियाकर्मियों के खिलाफ नारेबाजी की गई। शुक्रवार को प्रदर्शनकारियों ने बैनर और तख्तियां लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और कथित परीक्षा लीक के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा और छात्रों ने पारदर्शी जांच और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया की अपनी मांग दोहराई। छात्र और युवा संगठन 20 जून से ही नीट परीक्षा लीक और परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस आंदोलन को कई राजनेताओं, खिलाड़ियों, बॉलीवुड हस्तियों, कार्यकर्ताओं, छात्र समूहों और समाज के सभी वर्गों के आम लोगों का समर्थन मिला है। इसी बीच, राजस्थान के दो प्रमुख युवा नेता भी राष्ट्रीय राजधानी में चल रहे आंदोलन में शामिल हो गए हैं, जो लगभग एक महीने से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए सुधारों की मांग को लेकर जारी है। बाड़मेर जिले के शिव विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी और राजस्थान विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष निर्मल चौधरी, प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए जंतर-मंतर पहुंचे। उनका यह दौरा प्रदर्शन स्थल पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की लाठीचार्ज और आंसू गैस सहित कार्रवाई के कुछ दिनों बाद हुआ है। दोनों नेताओं ने छात्रों से मुलाकात की और अपना समर्थन व्यक्त करते हुए केंद्र की एनडीए सरकार से संवाद के माध्यम से उनकी चिंताओं का समाधान करने का आग्रह किया। संसद की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस और आरएएफ की कार्रवाई के बाद विरोध प्रदर्शन और तेज हो गए। दिल्ली में हुई घटनाओं ने राजस्थान सहित कई राज्यों में इसी तरह के प्रदर्शनों को जन्म दिया है। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने केंद्रीय मंत्रियों जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह से बातचीत के बाद गुरुवार देर रात अपनी 26 दिन की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल समाप्त कर दी। उन्होंने मंत्रियों की उपस्थिति में जूस पीकर अपना उपवास तोड़ा। इस घटनाक्रम के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से वांगचुक के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

प्रधानमंत्री ने एक वीडियो संदेश में परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर भी बात की और सख्त कानूनी प्रावधानों, प्रश्नपत्र लीक मामलों के लिए त्वरित अदालतों और परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाए जाने वाले कदमों सहित कई उपायों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस बीच, छात्र संगठनों ने स्पष्ट किया कि उनका आंदोलन केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि देशभर में आयोजित होने वाली सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और विश्वसनीयता से जुड़ा हुआ है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बार-बार सामने आ रहे कथित पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं के कारण लाखों अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने मांग की कि परीक्षा प्रक्रिया को पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लिए तकनीकी और प्रशासनिक स्तर पर व्यापक सुधार किए जाएं। राजस्थान में हुए प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कहा कि वे शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं। प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थियों ने निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया, समयबद्ध परीक्षाओं और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना युवाओं के भविष्य और देश की प्रशासनिक व्यवस्था दोनों के लिए आवश्यक है।

निदेशक माध्यमिक शिक्षा ने सभी विद्यालयों में महिला नोडल अध्यापिका नियुक्त करने के दिए निर्देश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राज्य के सरकारी विद्यालयों में आयोजित होने वाले 'नो बैग डे' को अब किशोरियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुरक्षा के प्रति जागरूकता से भी जोड़ा जाएगा। माध्यमिक शिक्षा निदेशक एवं पदेन अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक (वरिष्ठ) सीताराम जाट ने इस संबंध में सभी संभागीय संयुक्त निदेशकों को निर्देश जारी करते हुए अपने क्षेत्र के समस्त विद्यालयों में आवश्यक दिशा-निर्देशों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित कराने को कहा है। जारी आदेश के अनुसार प्रत्येक विद्यालय में महिला अध्यापिका को नोडल अधिकारी नियुक्त कर छात्राओं को मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के संबंध में जागरूक किया जाएगा। यह कार्रवाई शिक्षा विभाग के निर्देशों तथा रिट याचिका संख्या 1000/2022 (डॉ. जया ठाकुर बनाम भारत संघ एवं अन्य) में माननीय न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशों की अनुपालना में की जा रही है। निदेशक ने सभी अधिकारियों को इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता से लागू करने के निर्देश दिए हैं।

डिलेवरी पॉइन्ट के स्त्रीरोग विशेषज्ञों की संबंधित जिले के मेडिकल कॉलेजों के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मेंटरिंग की जाएगी

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने कहा कि प्रदेशभर के सभी डिलेवरी पॉइन्ट जहां प्रसव होते हैं उनके स्त्रीरोग विशेषज्ञों की संबंधित जिले के मेडिकल कॉलेजों के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मेंटरिंग की जाएगी। इसके लिए उन्होंने आगामी 5 दिवस में एक-एक घंटें के स्लॉट बनाकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्टैण्डर्ड ऑपरेशन प्रोसिजर्स सहित विभिन्न मुख्य बिन्दुओं पर आवश्यक जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिए। राठौड़ ने शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेशभर के मेडिकल कॉलेजों के अधीक्षकों, प्रमुख चिकित्सा अधिकारियों, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों से गत् 24 घंटे में हुए सामान्य तथा सिजेरियन प्रसवों की स्थिति की विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि गंभीर एनीमिया वाली गर्भवती महिलाओं को आवश्यक ब्लड ट्रांसफ्यूजन, एसीएफ इंजेक्शन या आयरन शुक्रोज के माध्यम से मॉडरेट और माइल्ड एनीमिया में बदलाव में किए जाने की कार्यवाही की सघन मॉनिटरिंग की जाए।

साथ ही उन्होंने इस सप्ताह के अंत तक सभी अस्पतालों में प्रसव सखी का काउंटर बनाने, प्रसव सखी की नियुक्ति सहित सम्पूर्ण कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं प्राचार्य एवं नियंत्रक एसएनएमसी मेडिकल कॉलेज जोधपुर के डॉ. बी.एस. जोधा ने प्रसव के दौरान पीपीएच प्रबंधन के लिए उपयोग में लिए जा रहे एंटी शॉक एनएएसजी गार्मेंट पर विस्तार से प्रजेन्टेशन दिया।

नशामुक्ति के लिए सभी स्तरों पर जवाबदेही तय हो- राज्यपाल

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने नशामुक्ति के लिए सभी स्तरों पर जवाबदेही तय किए जाने पर जोर दिया है। उन्होंने मुख्य सचिव स्तर पर इसके लिए त्वरित परिपत्र जारी किए जाने और नशामुक्ति के लिए प्रदेश में प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नशामुक्त राजस्थान के अंतर्गत महीने भर के लिए विशेष अभियान चलाए जाने का भी आह्वान किया। राज्यपाल बागडे शुक्रवार को मादक पदार्थों के नियंत्रण, नशामुक्त भारत के प्रभावी क्रियान्वयन तथा भावी कार्ययोजना के लिए लोकभवन में हुई समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि सरकारी विभागों में कहीं कोई नशे में लिप्त मिले तो तुरंत संस्पेंड किया जाए। विश्वविद्यालयों में भी यह सुनिश्चित किया जाएगा कि मादक पदार्थों के सेवन करने वालों पर सख़्त से सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने सीमा क्षेत्र से ड्रोन द्वारा नशीले पदार्थों को भेजे जाने पर चिंता जताते हुए इस सम्बन्ध में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की बात कही।

जल प्रबंधन से जल आत्मनिर्भरता का राष्ट्रीय मॉडल बनेगा राजस्थान- सीएम भजनलाल शर्मा

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में सरकार के गठन के तुरंत बाद से ही हमने जल आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनका असर धरातल पर नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना से लेकर यमुना जल समझौते जैसे अभूतपूर्व कार्यों को मूर्त रूप देकर जल आपूर्ति के क्षेत्र में एक नए राजस्थान की आधारशिला रखी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार के इन्हीं प्रयासों से राजस्थान आने वाले समय में जल प्रबंधन एवं जल संचयन का राष्ट्रीय मॉडल बनेगा। मुख्यमंत्री शुक्रवार को जयपुर में 'राजस्थान वाटर कॉन्क्लेव' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जल संरक्षण को राष्ट्रीय कर्तव्य मानते हैं और आने वाली पीढ़ियां हमारे जल संरक्षण के प्रयासों के आधार पर हमारा मूल्यांकन करेंगी। कैच द रेन, नमामि गंगे, जल संचय-जन भागीदारी, जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना, अमृत सरोवर, हर खेत को पानी तथा प्रति बूंद अधिक फसल जैसे दूरदर्शी कार्यक्रमों ने देश में जल सुरक्षा को नई दिशा प्रदान की है। जल संरक्षण पर संवाद, अनुभव और नवाचारों पर बात मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संस्थाओं एवं विषय विशेषज्ञों से संवाद कर उनके अनुभव, नवाचारों एवं सुझावों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। सरकार के प्रयासों, संस्थाओं के सहयोग, विशेषज्ञों के अनुभव और आमजन की सक्रिय भागीदारी से राजस्थान जल आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने संस्थाओं एवं विशेषज्ञों से आह्वान किया कि वे स्थानीय स्तर की जल चुनौतियों को समझते हुए आधुनिक तकनीक आधारित मॉनिटरिंग, नवाचारपूर्ण समाधानों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ जल संचयन, संरक्षण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना राजस्थान के जल इतिहास का नया अध्याय है।

मुख्य सचिव के निर्देशों पर शिक्षा विभाग अलर्ट, तीन दिन में मांगी सड़क सुरक्षा अनुपालना रिपोर्ट

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राज्य में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर मुख्य सचिव द्वारा जारी निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित कराने के लिए माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने सभी संभागीय संयुक्त निदेशकों को तीन दिन के भीतर विस्तृत अनुपालना रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए हैं।

यह रिपोर्ट निर्धारित प्रारूप में निदेशालय की ई-मेल आईडी पर अनिवार्य रूप से भेजनी होगी। निदेशालय ने सभी संभागीय संयुक्त निदेशकों को निर्देशित किया है कि वे अपने अधीन जिलों की समेकित रिपोर्ट तैयार कर तीन दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं तथा इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि राज्य सरकार सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सभी संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों पर विशेष जोर दे रही है।

राजीविका की पहल - महिला स्वयं सहायता समूहों को निर्यात से जोड़ने के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) द्वारा माननीय मुख्य सचिव के निर्देशानुसार शुक्रवार को कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब, जयपुर में 'स्वयं सहायता समूहों के लिए निर्यात संवर्धन विषयक क्षमता निर्माण कार्यशाला' का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिला शिल्पकारों एवं ग्रामीण उद्यमियों को निर्यात की संभावनाओं, वैश्विक बाजारों की आवश्यकताओं तथा निर्यात प्रक्रिया की व्यावहारिक जानकारी प्रदान कर उन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँच के लिए सक्षम बनाना था।

ग्रामीण विकास विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने कहा कि राजस्थान के स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद गुणवत्ता और विविधता के मामले में किसी से कम नहीं हैं। आवश्यकता इस बात की है कि उन्हें सेवा एवं निर्यात क्षेत्र से प्रभावी रूप से जोड़ा जाए, ताकि ग्रामीण महिलाओं की आय में सतत वृद्धि सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि ओएसएफ (OSF), एसवीईपी (SVEP) और एमईडी (MED) जैसी योजनाओं के माध्यम से महिला उद्यमिता को नई दिशा मिल रही है।

उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से मार्केटिंग और ब्रांडिंग की समझ विकसित करने का आह्वान करते हुए कहा कि सही मूल्य निर्धारण और बाजार की मांग को समझना सफलता की कुंजी है। उन्होंने विभिन्न विशेषज्ञ संस्थाओं से आग्रह किया कि वे स्वयं सहायता समूहों की महिला शिल्पकारों का केवल प्रशिक्षण तक सीमित न रहकर निरंतर मार्गदर्शन भी करें।

वासुदेव देवनानी ने श्रीकाशी विश्वनाथ, श्रीकाल भैरव मंदिर और माँ विंध्यवासिनी के किए दर्शन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शुक्रवार को वाराणसी दौरे पर रहे। देवनानी ने वाराणसी स्थित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, श्री काल भैरव मंदिर और माँ विंध्यवासिनी में विधिवत दर्शन-पूजन कर प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की। इस मौके पर श्री देवनानी के साथ वाराणसी के मेयर श्री अशोक तिवारी भी रहे। श्री देवनानी ने कहा कि वाराणसी की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत अनूठी है। उन्होंने कहा कि काशी भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और सनातन परंपरा का वैश्विक केंद्र है। यहां का आध्यात्मिक वातावरण प्रत्येक श्रद्धालु को नई ऊर्जा एवं प्रेरणा प्रदान करता है। उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ धाम के सुव्यवस्थित एवं भव्य स्वरूप को देश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने भी देवनानी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए विकसित की गई सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि धार्मिक स्थलों का सुव्यवस्थित विकास देश की सांस्कृतिक धरोहर को नई पहचान देने के साथ-साथ पर्यटन को भी प्रोत्साहित करता है।

राज्य के सभी स्कूलों में 25 जुलाई को मनाया जाएगा कारगिल विजय दिवस, वीर शहीदों को दी जाएगी श्रद्धांजलि

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। कारगिल युद्ध के अमर शहीदों के सम्मान में राज्य के सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में 25 जुलाई (शनिवार) को कारगिल विजय दिवस-2026 गरिमापूर्ण ढंग से मनाया जाएगा। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक एवं समग्र शिक्षा अभियान के पदेन अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक (वरिष्ठ) सीताराम जाट ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार, 26 जुलाई को इस वर्ष रविवार का अवकाश होने के कारण कारगिल विजय दिवस का आयोजन एक दिन पहले 25 जुलाई को बस्ता मुक्त दिवस पर किया जाएगा। विद्यालयों में कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों द्वारा सामूहिक राष्ट्रगान से होगी, जिसके बाद शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। विद्यालयों में कारगिल युद्ध की शौर्यगाथा, भारतीय सेना के अद्वितीय पराक्रम, राष्ट्रभक्ति पर आधारित प्रेरक भाषण, कविता पाठ, देशभक्ति गीत तथा अन्य सांस्कृतिक एवं प्रेरक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रमों में पूर्व सैनिकों, स्कूल विकास एवं प्रबंधन समिति (एसडीएमसी) के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों तथा स्थानीय गणमान्य नागरिकों को भी आमंत्रित करने के निर्देश दिए गए हैं। निदेशालय ने सभी मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों एवं जिला परियोजना समन्वयकों को निर्देश दिए हैं कि कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अन्य आगंतुकों का विवरण निर्धारित गूगल फॉर्म में 25 जुलाई को शाम 4 बजे तक अनिवार्य रूप से दर्ज कराया जाए। साथ ही सभी विद्यालयों में कार्यक्रम अनुशासित, गरिमापूर्ण और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। शिक्षा विभाग ने निर्देश दिए हैं कि कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को कारगिल युद्ध के इतिहास, उसमें भारतीय सेना के साहस, त्याग और बलिदान से परिचित कराया जाए। शिक्षकों से कहा गया है कि वे छात्रों को कारगिल विजय दिवस के महत्व, देश की सुरक्षा में सशस्त्र बलों की भूमिका तथा राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के बारे में भी जानकारी दें, ताकि उनमें देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। शिक्षा विभाग का मानना है कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को देश के गौरवशाली सैन्य इतिहास से जोड़ने के साथ-साथ उन्हें राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका का बोध भी कराते हैं। साथ ही विद्यालयों से कार्यक्रमों की फोटो एवं अन्य आवश्यक जानकारी समय पर उपलब्ध कराने को कहा गया है।

राजस्थान/ प्रादेशिक

परिवेदना निस्तारण हेतु प्रगतिशील संगठन निदेशक माध्यमिक शिक्षा ओर संयुक्त निदेशक बीकानेर मंडल,बीकानेर से मिला

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील का शिष्ट मंडल जिलाध्यक्ष आनंद पारीक के नेतृत्व में आज शिक्षा निदेशक श्री सीताराम जाट से मिला ओर राज्य भर से आए हुए प्रधानाचार्य एवं व्याख्याता की परिवेदना के निस्तारण हेतु आग्रह किया। माननीय निदेशक ने परिवेदनाओं को ध्यानपूर्वक सुनते के पश्चात विश्वास दिलाया कि असाध्य बीमारी,पति पत्नी प्रकरण एवं अन्य परिवेदनाओं पर निश्चित सकारात्मक रवैया अपनाया जाएगा और जितना संभव हो सके लाभ दिया जाएगा।

इसी के बाद प्रतिनिधिमंडल बीकानेर मंडल के अधीन सेकंड ग्रेड अध्यापकों की परिवेदनाओं को लेकर संयुक्त निदेशक सुनीता जी चावला से मिला। बीकानेर, गंगानगर ,हनुमानगढ़ के समस्त द्वितीय श्रेणी शिक्षकों की परियोजनाओं को विस्तृत उनके सामने रखकर चर्चा के बाद उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं में वाजिब परिवेदनाओं पर निश्चित विचार कर राहत प्रदान की जाएगी। उनका रुख संगठन के साथ सकारात्मक रहा और विश्वास दिलाया कि शिक्षक हित में जितना संभव हो मदद की जाएगी। सिस्ट मंडल में सुभाष आचार्य,यतीश वर्मा,आनंद पारीक,मोहम्मद असलम समेजा,कृष्ण कुमार ढाका,अजय सिंह गोदारा आदि शिक्षक नेता उपस्थित रहे। शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों ने अधिकारियों के समक्ष स्थानांतरण, पदस्थापन, वरिष्ठता, पारिवारिक परिस्थितियों तथा प्रशासनिक स्तर पर लंबित विभिन्न मामलों को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि समयबद्ध तरीके से परिवेदनाओं का निस्तारण होने से शिक्षकों को राहत मिलेगी और वे अधिक समर्पण के साथ अपने शैक्षणिक दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे। साथ ही शिक्षक हितों से जुड़े मामलों में संवेदनशील और पारदर्शी दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह भी किया गया। शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि सभी प्राप्त परिवेदनाओं का नियमानुसार परीक्षण कराया जाएगा तथा पात्र मामलों में यथासंभव सकारात्मक निर्णय लेने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभाग का उद्देश्य शिक्षकों की वास्तविक समस्याओं का समाधान करते हुए शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाना है। प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा निदेशक एवं संयुक्त निदेशक का सकारात्मक और संवेदनशील रवैया अपनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

पंचायत चुनाव 2026 की तैयारी तेज, आरक्षण निर्धारण के अधिकार जिला कलक्टर और एसडीएम को सौंपे

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान सरकार ने प्रस्तावित पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 की तैयारियों को गति देते हुए पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों में आरक्षण निर्धारण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पंचायती राज विभाग ने अधिसूचना जारी कर जिला कलक्टरों और उपखण्ड अधिकारियों (एसडीएम) को आरक्षण तय करने के अधिकार प्रत्यायोजित कर दिए हैं। शासन सचिव एवं आयुक्त डॉ. जोगा राम द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा-98 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया है। इसके तहत जिला कलक्टर अपने-अपने क्षेत्राधिकार की पंचायत समितियों एवं जिला परिषदों के वार्डों (एकल निर्वाचन क्षेत्रों) तथा प्रधान पदों के आरक्षण का निर्धारण कर श्रेणीवार आवंटन करेंगे। इसी प्रकार उपखण्ड अधिकारी अपने क्षेत्र की ग्राम पंचायतों के वार्डों (एकल निर्वाचन क्षेत्रों) एवं सरपंच पदों के आरक्षण का निर्धारण कर श्रेणीवार आवंटन करेंगे। यह कार्य राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा-15 एवं 16 तथा पंचायती राज (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 5, 6, 7, 8 एवं 9 के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा। सरकार की ओर से जारी इस अधिसूचना की प्रतिलिपि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, सभी जिला कलक्टरों, जिला परिषदों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों तथा समस्त उपखण्ड अधिकारियों सहित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दी गई है। इस आदेश के साथ ही प्रदेश में पंचायत चुनाव-2026 के लिए आरक्षण प्रक्रिया का औपचारिक रूप से मार्ग प्रशस्त हो गया है। पंचायती राज विभाग के अधिकारियों के अनुसार आरक्षण निर्धारण की प्रक्रिया पूरी तरह अधिनियम और निर्धारित नियमों के अनुरूप पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2026-27 में अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश

बीकानेर। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2026-27 के सफल आयोजन एवं विद्यार्थियों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के सभी संभागीय संयुक्त निदेशकों, स्कूल शिक्षा को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी (गुणवत्ता एवं नवाचार) माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर डॉ. रामगोपाल शर्मा द्वारा जारी आदेश में संयुक्त शासन सचिव, शिक्षा विभाग के निर्देशों का हवाला देते हुए कहा गया है कि इस ओलंपियाड का उद्देश्य कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि विकसित करना, उनके भाषाई ज्ञान, व्याकरण दक्षता तथा बौद्धिक क्षमता का विकास करना है।

प्रतियोगिता के माध्यम से स्कूल स्तर पर हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

आदेश में सभी संभागीय संयुक्त निदेशकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्राधिकार के विद्यालयों में इच्छुक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का अधिकाधिक पंजीकरण और सहभागिता सुनिश्चित कराने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करें तथा निर्धारित सरकारी दिशा-निर्देशों की पालना करवाएं।

राजकीय विद्यालयों में मिड-डे मील का नया साप्ताहिक मेन्यू लागू, सप्ताह में एक दिन फल देना होगा अनिवार्य

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रधानमंत्री पोषण (मिड-डे मील) योजना के तहत राजस्थान सरकार ने प्रदेश के सभी राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत प्री-प्राइमरी से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों को निर्धारित साप्ताहिक मेन्यू के अनुसार पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में प्रारम्भिक शिक्षा विभाग ने सभी जिला कलक्टरों को दिशा-निर्देश भेजकर तत्काल प्रभाव से इनकी पालना सुनिश्चित करने को कहा है। जारी निर्देशों के अनुसार योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वच्छ, संतुलित एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य, पोषण स्तर तथा विद्यालयों में नियमित उपस्थिति में सुधार करना है। विद्यालय प्रबंधन समितियों, अन्नपूर्णा महिला सहकारी समितियों, स्वयं सहायता समूहों एवं अन्य अधिकृत एजेंसियों के माध्यम से निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत सप्ताह में एक दिन सभी विद्यार्थियों को फल उपलब्ध कराना भी अनिवार्य किया गया है।

SMS की महिला-डॉक्टर ने अधिकारी पर लगाए प्रताड़ना के आरोप

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल सवाई मानसिंह (SMS) के एक प्रशासनिक अधिकारी के खिलाफ महिला डॉक्टर ने प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। डॉक्टर ने शिकायत मुख्यमंत्री और हॉस्पिटल अधीक्षक को दी है। इसकी जांच के लिए अधीक्षक ने कमेटी भी बना दी। लेकिन 15 दिन निकलने के बाद भी अब तक इसका मामले का कोई निस्तारण नहीं हुआ। महिला डॉक्टर ने दी लिखित शिकायत में बताया- नौकरी के दौरान लगातार उत्पीड़न, भेदभावपूर्ण व्यवहार, झूठे आरोप लगाकर लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। इस संबंध में प्रशासनिक अधिकारी डॉक्टर और एक अन्य महिला के खिलाफ शिकायत दी। शिकायत के बाद हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी ने तीन सीनियर प्रोफेसर की एक कमेटी बनाकर इसकी जांच करने और रिपोर्ट तीन दिन के अंदर देने के आदेश जारी किए। हॉस्पिटल के कई महत्वपूर्ण काम इन्हीं के अधीन आते हैं।

राजस्थान में इस बरसात रेत में हिलोरें लेगा एक 'समंदर', आखिर कैसे, यहां पढ़ें

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान को सुजलाम-सुफलाम बनाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के भागीरथ प्रयासों से प्रदेश के हर कोने में जल प्रबंधन की एक नई तस्वीर उभर कर सामने आ रही है। हाल ही, थार मरुस्थलीय क्षेत्र में जल संचय की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। इंदिरा गांधी नहर परियोजना की मुख्य नहर पर स्थित आरडी-1356 पर बनी एस्केप संरचना को अब 28 किलोमीटर परिधि के बड़े जलाशय के रूप में विकसित कर दिया गया है। मानसून के दौरान पंजाब की ओर से आने वाला अतिरिक्त पानी इस विशाल कृत्रिम झील में जब इकट्ठा होगा तो ऐसा लगेगा मानो रेत में एक विशाल समंदर हिलोरें ले रहा हो। जैसलमेर जिले के घांटियाली क्षेत्र में निर्मित यह जलाशय जैलसमेर-बाड़मेर जिलों में पानी की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी मुख्य नहर की लंबी प्रणाली में शुरू से ही कई स्थानों पर एस्केप संरचनाएं बनी हुई हैं, जिनका मूल उद्देश्य नहर में अधिक डिस्चार्ज या आपात स्थिति के दौरान अतिरिक्त पानी को सुरक्षित बाहर निकालना है। मानसून के समय जब सिंचाई की मांग घट जाती है, तब भारी मात्रा में पानी संग्रहण व्यवस्था के अभाव में अंतरराष्ट्रीय सीमा से बहकर बेकार चला जाता है। लम्बे समय से सुस्त पड़ी इस योजना में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद इनके काम में तेजी आई और अब तक आरडी- 507 एवं बुर्जी 1356 एस्केप रिजर्वायर का काम पूरा हो चुका है। औसतन 13 मीटर गहरे बुर्जी 1356 एस्केप रिजर्वायर में 1406 एमसीएफटी जल इकट्ठा हो सकेगा।

रतनगढ़ से ताल छापर अभ्यारण्य जाने वाले पर्यटकों और सालासर बालाजी मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं का आवागमन हुआ अधिक सुविधाजनक

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राजस्थान के चुरू ज़िले का शहर रतनगढ़, "राजस्थान की वाराणसी" के तौर पर मशहूर है। रतनगढ़ के पास ही काले हिरण के लिए प्रसिद्ध ताल छापर अभ्यारण्य भी स्थित है जहां वर्षभर पर्यटकों का आवागमन रहता है। रतनगढ़ स्टेशन से सालासर बालाजी मंदिर जाने वाले श्रद्धालु भी आवागमन करते हैं। यह शहर अपनी शानदार पारंपरिक हवेलियों (जिन पर बारीक फ्रेस्को या भित्ति-चित्र बने हैं), अपनी समृद्ध हस्तशिल्प परंपराओं और ऐतिहासिक रेगिस्तानी किले के लिए जाना जाता है। यह शहर शेखावाटी इलाके की वास्तुकला की विरासत का एक बेहतरीन उदाहरण है, जहाँ दीवारों और छतों पर शानदार चित्रकारी की गई है। रतनगढ़ जीवंत, पारंपरिक राजस्थानी हस्तशिल्प और कलाकृतियों का एक स्थानीय केंद्र है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री अमित सुदर्शन के अनुसार अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रतनगढ़ स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। रतनगढ़ स्टेशन पर आने वाले यात्रियों को हेरिटेज लुक के साथ जल्द ही अत्याधुनिक सुविधाएँ मिलेंगी जिसमें स्थानीय कला एवं संस्कृति का समावेश किया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर मंडल के रतनगढ़ स्टेशन के पुनर्विकास के कार्य का प्रथम चरण का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है।

लगभग 18.09 करोड़ की लागत से होने वाले पुनर्विकास कार्यों के अंतर्गत स्टेशन भवन के समरूप में बड़े स्तर पर सुधार कार्य किया गया है। स्टेशन की ओर आने-जाने वाले मार्ग में प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग प्रावधान किया गया है।बाउंड्री वॉल, सर्कुलेटिंग एरिया में सौंदर्यकरण, दोपहिया, चौपहिया वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग सुविधा, बुकिंग ऑफिस रिटायरिंग रूम आदि में सुधार, नए टॉयलेट ब्लॉक्स का कार्य पूर्ण हो चुका है। उपरोक्त कार्यो के अलावा सौंदर्यवर्धन के लिए एलईडी लाइटिंग तथा दीवारों पर आर्टवर्क भी किया जाएगा । सभी सुविधाओं का दिव्यांगजनों तक पहुंच बनाने के लिए उपयुक्त साइनेज भी लगाया जाएगा। स्टेशन के प्रकाश व्यवस्था में सुधार से संबंधित कार्य तथा हरित ऊर्जा उत्पादन के लिए सोलर प्लांट भी लगाया जाएगा। इसके अलावा यात्री सूचना प्रणाली में सुधार हेतु के कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड, मल्टीलाइन डिस्पले बोर्ड्स, सिंगल लाइन डिस्प्ले बोर्ड, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, बड़े एलइडी स्क्रीन्स तथा जीपीएस आधारित डिजिटल क्लॉक भी लगाया जाएगा।

स्लीपर व लक्जरी बसों के खिलाफ संयुक्त जांच अभियान जारी; 51 बसों पर कार्रवाई

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। दौसा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और परिवहन विभाग द्वारा लक्जरी तथा स्लीपर बसों में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष संयुक्त जांच अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मोटर वाहन अधिनियम 1988, एआईएस-119 और राज्य सरकार द्वारा जारी एसओपी-2024 की पालना कराना तथा बसों में अनधिकृत संरचनात्मक परिवर्तनों पर रोक लगाना है। विभिषण हादसों से सीखः फलोदी, कोटपूतली और दौसा में बसों में हुए दर्दनाक हादसों और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा मानकों को कड़ाई से लागू किया जा रहा है। सीज की गई बसेंः 32 बसों को मौके पर ही सीज किया गया।

जुर्माना राशिः लगभग 17 लाख रुपये का चालान वसूला/लगाया जा चुका है।

दुनिया और एशिया के सर्वश्रेष्ठ शहरों में राजस्थान का परचम, उदयपुर और जयपुर को मिली वैश्विक पहचान

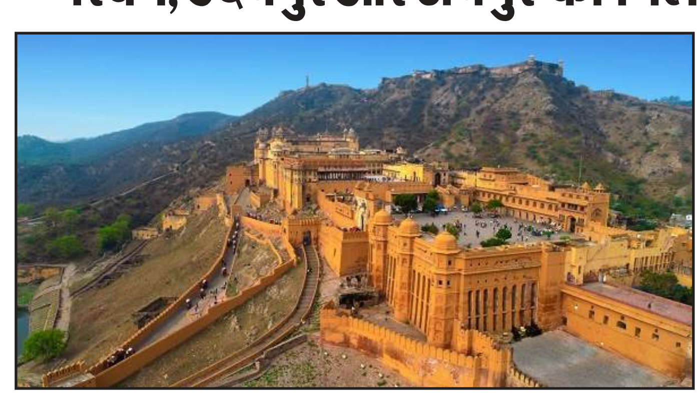

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान पर्यटन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि मिली है। दुनिया की प्रतिष्ठित पर्यटन पत्रिका 'ट्रैवल प्लस लीजर' की ओर से जारी वर्ष 2026 के 'विश्व के सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार' में राजस्थान के दो प्रमुख पर्यटन शहर उदयपुर और जयपुर ने एक साथ वैश्विक पहचान हासिल की है। सबसे बड़ी बात यह है कि दोनों शहरों ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शहरों और एशिया के सर्वश्रेष्ठ शहरों की दोनों प्रतिष्ठित सूचियों में स्थान बनाया है। पूरी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शहरों की सूची में उदयपुर 12वें और जयपुर 16वें स्थान पर रहा, जबकि एशिया के 15 सर्वश्रेष्ठ शहरों में उदयपुर को आठवां और जयपुर को दसवां स्थान मिला। यह उपलब्धि राजस्थान के पर्यटन की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता और राज्य की मजबूत होती अंतरराष्ट्रीय पहचान का प्रमाण मानी जा रही है। इस अवसर पर पर्यटन आयुक्त रूकमणी रियाड़ ने कहा कि दुनिया और एशिया के सर्वश्रेष्ठ शहरों की सूची में उदयपुर और जयपुर का शामिल होना पूरे राजस्थान के लिए गौरव का विषय है। यह सम्मान प्रदेश की समृद्ध विरासत, जीवंत संस्कृति, उत्कृष्ट आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व तथा उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार राजस्थान को विश्व पर्यटन मानचित्र पर और अधिक सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्हें विश्वास है कि इस उपलब्धि से प्रदेश की वैश्विक पहचान और मजबूत होगी तथा विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ने के साथ पर्यटन निवेश और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। गौरतलब है की 'ट्रैवल प्लस लीजर' की यह वार्षिक रैंकिंग दुनिया भर के यात्रियों के अनुभवों और उनके मतदान के आधार पर तैयार की जाती है। इसमें किसी शहर की ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक पहचान, पर्यटन आकर्षण, स्थानीय खान-पान, आतिथ्य, भ्रमण अनुभव, खरीदारी, स्वच्छता और पर्यटकों की संतुष्टि जैसे अनेक मानकों का मूल्यांकन किया जाता है।

पश्चिम रेलवे पर जल भराव के कारण रेल यातायात प्रभावित

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री अमित सुदर्शन के अनुसार, पश्चिम रेलवे पर जल भराव के कारण अमलसाड, बिलीमोरा स्टेशनों पर ट्रेन मूवमेंट को सस्पेंडेड किया जा रहा है। जिसके कारण उत्तर पश्चिम रेलवे पर संचालित रेल सेवाएं प्रभावित रहेगी।

रद्द रेलसेवाएं

गाडी संख्या 22965, बान्द्रा टर्मिनस-भगत की कोठी एक्सप्रेस रेलसेवा दिनांक 24.07.2026 को रद्द रहेगी। गाडी संख्या 22966, भगत की कोठी-बान्द्रा टर्मिनस एक्सप्रेस रेलसेवा दिनांक 25.07.2026 को रद्द रहेगी। गाडी संख्या 14708, दादर-हनुमानगढ एक्सप्रेस रेलसेवा दिनांक 24.07.2026 को रद्द रहेगी। गाडी संख्या 09002, भिवानी-मुम्बई सेट्रल एक्सप्रेस रेलसेवा दिनांक 25.07.2026 को रद्द रहेगी। गाडी संख्या 20496, हडपसर-जोधपुर एक्सप्रेस रेलसेवा दिनांक 28.07.2026 को रद्द रहेगी। गाडी संख्या 20495, जोधपुर-हडपसर एक्सप्रेस रेलसेवा दिनांक 27.07.2026 को रद्द रहेगी।

आंशिक रद्द रेलसेवाएं

गाडी संख्या 12216, बान्द्रा टर्मिनस-दिल्ली सराय रेलसेवा दिनांक 24.07.2026 को बान्द्रा टर्मिनस के स्थान पर अहमदाबाद से प्रस्थान करेगी अर्थात् यह रेलसेवा बान्द्रा टर्मिनस-अहमदाबाद के मध्य आंशिक रद्द रहेगी। गाडी संख्या 09006, भिवानी-बान्द्रा टर्मिनस रेलसेवा जो दिनांक 23.07.2026 को भिवानी से प्रस्थान करेगी वह रतलाम तक ही संचालित होगी। अर्थात् यह रेलसेवा रतलाम-बान्द्रा टर्मिनस के मध्य आंशिक रद्द रहेगी। गाडी संख्या 09002, भिवानी-मुम्बई सेट्रल रेलसेवा जो दिनांक 22.07.2026 को भिवानी से प्रस्थान करेगी वह दाहोद तक ही संचालित होगी। अर्थात् यह रेलसेवा दाहोद-मुम्बई सेट्रल के मध्य आंशिक रद्द रहेगी। गाडी संख्या 12998, बाडमेर-बान्द्रा टर्मिनस रेलसेवा जो दिनांक 23.07.2026 को बाडमेर से प्रस्थान करेगी वह सूरत तक ही संचालित होगी। अर्थात् यह रेलसेवा सूरत-बान्द्रा टर्मिनस के मध्य आंशिक रद्द रहेगी। सीएफगाडी संख्या 21901, बान्द्रा टर्मिनस-बाडमेर रेलसेवा दिनांक 24.07.2026 को बान्द्रा। टर्मिनस के स्थान पर सूरत से संचालित होगी। अर्थात् यह रेलसेवा बान्द्रा टर्मिनस-सूरत के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।

मार्ग परिवर्तित रेलसेवाएं

गाडी संख्या 20991, अजमेर-दौंड रेलसेवा जो दिनांक 23.07.2026 को अजमेर से प्रस्थान करेगी वह सूरत-पालधी-मनमाड होकर संचालित होगी। गाडी संख्या 20992, दौंड-अजमेर रेलसेवा जो दिनांक 27.07.2026 को दौंड से प्रस्थान करेगी वह दौंड-मनमाड-जलगांव-पालधी-सूरत होकर संचालित होगी।

रीशड्यूल रेलसेवाएं

गाडी संख्या 12955 मुम्बई सेट्रल-जयपुर रेलसेवा 24.07.2026 को मुम्बई सेट्रल से प्रस्थान करेगी वह अपने निर्धारित समय 19.05 बजे के स्थान पर 05 घंटे 25 मिनट की देरी से दिनांक 25.07.26 को 00.30 बजे प्रस्थान करेगी।

भीलवाड़ा न्यास में सचिव नहीं होने से आमजन परेशान,यूडीएच मंत्री के सामने प्रोपटी व्यवसायों ने किया प्रदर्शन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भीलवाड़ा। नगर विकास न्यास कार्यालय में चल रहे शहरी सेवा फॉलोअप शिविर का निरीक्षण करने शुक्रवार को पहुंचे राज्य के नगरीय विकास स्वायत शासन एवं आवासन मंत्री जब्बर सिंह खर्रा के सामने भीलवाडा प्रोपटी एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश सोनी के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने प्रदर्शन कर मंत्री को बताया कि भीलवाडा नगर विकास न्यास में पिछले कई महिनो से सचिव पद खाली चल रहा है, जिसकी वजह से आम शहरी लोगों के कार्य नहीं हो पा रहे है और न ही सचिव का कार्यभार किसी अन्य को दिया हुआ है, सेवा शिविर मजाक बनकर रह गये है, आमजनता के काम नहीं हो रहे है, पट्टे नहीं बन रहे है। इस पर मंत्री खर्रा ने कहा कि सचिव की नियुक्ति मुख्यमंत्री जी का विषय है हमसे आग्रह करेंगे कि जल्द ही भीलवाड़ा यूआईटी में सचिव पद नियुक्ति की जायें। मंत्री के सामने ही अशोक जैन ने बताया कि उन्होंने यूआईटी से नीलामी के माध्यम से 96 लाख रूपए जमा कराकर प्लॉट खरीदा, बाद में पता चला कि इस प्लॉट पर एक वकील ने कब्जा कर रखा है। आज तक प्लॉट का कब्जा उसे नहीं मिला। इससे पूर्व मंत्री खर्रा ने नगर निगम में चल रहे शहरी सेवा फॉलोअप शिविर का निरीक्षण किया।

मनोरंजन समाचार

कुणाल कामरा के बयान पर अभिनेत्री मन्नारा चोपड़ा बोलीं- सिर्फ छात्रों से जुड़े मुद्दों पर हो चर्चा

अभिनेत्री मन्नारा चोपड़ा ने कॉमेडियन कुणाल कामरा के जंतर-मंतर पर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसे मंचों का इस्तेमाल किसी खास धर्म या विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। मन्नारा ने कुणाल कामरा के 'सीता के पति' वाले बयान पर कहा, "इस तरह के मंचों का इस्तेमाल किसी एक धर्म को बढ़ावा देने या किसी खास विचारधारा की बात करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। वहां छात्रों से जुड़े मुद्दों पर ही चर्चा होनी चाहिए।" उन्होंने आगे कहा, "आपको सिर्फ उन्हीं मुद्दों पर बात करनी चाहिए, जिनसे आपका वास्तव में संबंध है। लेकिन इसके बजाय इस बात पर चर्चा हो रही है कि किस निर्माता, निर्देशक या अभिनेता ने सोनम वांगचुक के बारे में क्या कहा। मैं इस पर अपनी राय नहीं देना चाहती और इसकी जरूरत भी नहीं है, क्योंकि यह उनका निजी मामला है। यहां असली मुद्दा छात्रों से जुड़ा है। मेरा मानना है कि चर्चा उसी विषय पर होनी चाहिए और ध्यान दूसरे मुद्दों की ओर नहीं भटकना चाहिए।"
गौरतलब है कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक के समर्थन में आयोजित प्रदर्शन के दौरान स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था, "ये सरकार सीता के पति का नाम ले-लेकर नीता के पति का काम कर रही है।" इस बयान के बाद विवाद खड़ा हो गया और सुप्रीम कोर्ट की एक अधिवक्ता ने उन्हें कानूनी नोटिस भेजा।

'टीवी सबसे बड़ा स्कूल है, लोग इसे कम क्यों समझते हैं?' निहारिका चौकसे ने इंडस्ट्री की सोच पर उठाए सवाल

टेलीविजन अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों अपने शो 'तुम से तुम तक' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में टेलीविजन इंडस्ट्री को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने उन लोगों पर सवाल उठाया है जो आज के समय में टीवी को फिल्मों और ओटीटी से कमतर मानते हैं। उनका कहना है कि टीवी कलाकारों के लिए सबसे बड़ा स्कूल है, जहां हर दिन कुछ नया सीखने का मौका मिलता है। आईएएनएस से बात करते हुए निहारिका चौकसे ने कहा, ''मुझे टीवी पर काम करना हमेशा पसंद आता है।
अगर कोई मुझसे कहे कि मुझे रोज 14 घंटे काम करना होगा, तब भी मुझे कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि मुझे बिजी रहना अच्छा लगता है। मुझे समझ नहीं आता कि कुछ लोग टेलीविजन को कम क्यों आंकने लगते हैं। मेरे लिए टीवी सबसे बड़ा स्कूल है। यहां कैमरे के सामने अभिनय करना, लंबी-लंबी लाइन्स याद करना और हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन करना सीखने को मिलता है।''
उन्होंने आगे कहा, ''टेलीविजन में काम करना आसान नहीं होता, क्योंकि यहां कलाकारों को बहुत कम समय में अपना बेस्ट देना पड़ता है। टीवी में अगले दिन का एपिसोड प्रसारित होना होता है, इसलिए नई स्क्रिप्ट मिलते ही कलाकारों को तुरंत तैयारी करनी पड़ती है और शूटिंग भी करनी होती है। वेब सीरीज में कलाकारों को वर्कशॉप और तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलता है, लेकिन टीवी में काम की रफ्तार कहीं ज्यादा तेज होती है। यही वजह है कि टीवी कलाकारों को हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और लगातार मेहनत करनी पड़ती है।'' रियलिटी शोज में आने को लेकर भी निहारिका ने कहा, ''अभी मैं सिर्फ काम करना चाहती हूं। रियलिटी शोज बाद में भी किए जा सकते हैं। सबसे पहले मैं अपना फैन बेस मजबूत करना चाहती हूं, ताकि जब भी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लूं, तो जीतने के इरादे से जाऊं।'' उन्होंने कहा, "मुझे डांस करना बेहद पसंद है, इसलिए 'झलक दिखला जा' मेरे पसंदीदा रियलिटी शोज की लिस्ट में शामिल है।"

खेसारी लाल यादव का वीडियो देख भड़कीं मलाइका अरोड़ा, स्ट्रे डॉग संग हुए व्यवहार को बताया शर्मनाक

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव के एक वायरल वीडियो पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। इस वीडियो में भोजपुरी एक्टर की मौजूदगी में एक आवारा कुत्ते के साथ कथित तौर पर बुरा बर्ताव किया गया। मलाइका को यह बिल्कुल पसंद नहीं आया की कोई कैसे किसी जानवर के साथ ऐसा करता है। सभी जानते हैं कि 'छैया छैया गर्ल' एक डॉग लवर हैं और वह जानवरों को परेशान करने वाले लोगों के खिलाफ भी आवाज उठाती है। अब एक्ट्रेस की इंस्टा स्टोरी भी इसी वजह से ही चर्चा में बनी हुई है। ऐसे में एक असिस्टेंट पास आता है और कुत्ते को पैर से धक्का देकर वहां से खींच ले जाता है। इसके बाद एक महिला उस डॉग के साथ दुर्व्यवहार करती दिखाई देती है।

भगवान राम के किरदार के लिए रणबीर कपूर ने 2 साल की कठिन साधना, खोला 'रामायण' की तैयारी का राज

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' भारतीय सिनेमा की सबसे बहुप्रतीक्षित पौराणिक फिल्मों में से एक है। दो भागों में बनने वाली इस भव्य गाथा का पहला अध्याय दिवाली 2026 के अवसर पर सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है। हाल ही में, सैन डिएगो कॉमिक-कॉन 2026 के वैश्विक मंच पर फिल्म की मुख्य टीम नजर आई, जिसमें मुख्य अभिनेता रणबीर कपूर, सुपरस्टार यश, निर्देशक नितेश तिवारी और निर्माता नमित मल्होत्रा शामिल थे। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन के दौरान पूरी टीम ने इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट से जुड़े कई अहम पहलुओं पर खुलकर बातचीत की। कॉमिक-कॉन में अभिनेत्री और होस्ट कारी लेन के साथ खास बातचीत के दौरान रणबीर कपूर ने बताया कि उन्होंने भगवान राम के पवित्र और गंभीर किरदार में ढलने के लिए मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक स्तर पर कितनी गहरी तैयारी की है। रणबीर ने खुलासा किया कि इस किरदार को गहराई से समझने के लिए उन्होंने दो साल तक लगातार योग का अभ्यास किया और पौराणिक ग्रंथों

का गहन अध्ययन किया। उन्होंने कई धर्मशास्त्रियों और विद्वानों से मार्गदर्शन लिया। रणबीर ने बताया, 'मेरे गुरु सुवीर घंटों मेरे साथ ध्यान में बैठते थे, ताकि मैं भगवान राम की शिक्षाओं और विचारों के करीब पहुंच सकूं। रामायण के कई संस्करण और व्याख्याएं मौजूद हैं, जिन्हें टीवी, रेडियो, नाटकों और संगीत के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। लेकिन हमने हर पहलू को बहुत बारीकी से समझा है।' रणबीर कपूर ने आगे कहा कि रामायण को लेकर हर किसी का दृष्टिकोण अलग होता है और यही बात हर रूपांतरण को खास बनाती है। उनका मानना है कि यह फिल्म भी महाकाव्य का एक अनूठा और नया दृष्टिकोण पेश करेगी। उन्होंने कहा कि भारत में आज तक रामायण को इतने विशाल और भव्य पैमाने पर कभी नहीं बनाया गया है, और यही भव्यता इसे दुनिया भर के दर्शकों के लिए बेहद खास बनाती है। इवेंट के साथ ही निर्माताओं ने फिल्म के ट्रेलर को लेकर एक बड़ा अपडेट साझा किया। निर्माताओं ने घोषणा की कि रामायण का ट्रेलर अब आगे किसी नई तारीख पर दुनिया भर में एक साथ लॉन्च किया जाएगा। जारी आधिकारिक बयान में कहा गया, 'भारतीय सिनेमा के 100 से अधिक वर्षों के इतिहास में यह एक गर्व का क्षण होगा, जब हमारी 'रामायण' को किसी बड़ी वैश्विक हॉलीवुड फिल्म की तरह पूरी दुनिया के सामने पेश किया जाएगा।' निर्माताओं ने कहा कि यह कदम विश्वभर के लोगों को हमारी समृद्ध संस्कृति और धरोहर से परिचित कराने का एक नया द्वार खोलेगा। 'रामायण' में एक से बढ़कर एक कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसमें रणबीर कपूर के अलावा साई पल्लवी (माता सीता), यश (रावण), रवि दुबे (लक्ष्मण), सनी देओल (हनुमान), रकुल प्रीत सिंह (शूर्पणखा), कुणाल कपूर (इंद्रदेव), अरुण गोविल (राजा दशरथ), लारा दत्ता (कैकेयी) और विवेक ओबेरॉय (विद्युतजिह्व) नजर आएंगे। इस ड्रीम प्रोजेक्ट का निर्माण नमित मल्होत्रा और कन्नड़ सुपरस्टार यश मिलकर कर रहे हैं, जबकि इसकी पटकथा श्रीधर राघवन ने लिखी है।

26 सालों में सनी देओल की सिर्फ 6 फिल्मों को मिला 'A' सर्टिफिकेट, 'बटवारा 1947' बनी 7वीं, नहीं लगा एक भी कट

भारतीय सिनेमा के इतिहास और दर्शकों के बीच 'बटवारा 1947' को लेकर घोषणा के समय से ही भारी उत्सुकता बनी हुई है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही यह फिल्म इस साल की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। भारत के विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित यह कहानी प्यार, त्याग, संवेदना और मानवीय हिम्मत की एक गहरी दास्तान बयां करती है। हाल ही में फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने फिल्म को बिना किसी कट के पास कर दिया है, लेकिन इसके विषय और गंभीर दृश्यों को देखते हुए इसे 'A' (अडल्ट्स-ओनली) सर्टिफिकेट दिया गया है। सीबीएफसी की आधिकारिक जानकारी और रिपोर्टों के अनुसार 'बटवारा 1947' को बिना किसी दृश्य पर कैंची चलाए हरी झंडी दी गई है। फिल्म की कुल अवधि 145 मिनट और 34 सेकंड यानी 2 घंटे 25 मिनट और 34 सेकंड तय की गई है। 1947 के विभाजन के दौरान हुई सांप्रदायिक हिंसा, विस्थापन और मानवीय त्रासदी जैसे गंभीर विषयों को समेटे होने के कारण सेंसर बोर्ड ने इसे केवल वयस्कों के लिए उपयुक्त माना है। सेंसर सर्टिफिकेट मिलने के बाद यह फिल्म तय तारीख यानी 14 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस और विभाजन विभीषिका दिवस के अवसर पर दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसका टीजर भी कुछ दिनों पहले ही जारी किया गया। सनी देओल के चार दशक से भी लंबे करियर में बहुत कम फिल्में ऐसी रही हैं, जिन्हें सेंसर बोर्ड से 'A' रेटिंग मिली हो। पिछले 43 वर्षों में अपनी अधिकांश फिल्मों के जरिए वे हमेशा पारिवारिक दर्शकों से जुड़ते रहे हैं, भले ही उनकी फिल्मों में एक्शन और हिंसा का तत्व शामिल रहा हो। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक बीते 26 सालों में सनी देओल की सिर्फ छह फिल्मों को 'A' सर्टिफिकेट मिला है, जिनमें 'चैंपियन' (2000), 'फर्ज' (2001), 'कर्जः द बर्डन ऑफ ट्रुथ' (2002), 'जानी दुश्मनः एक अनोखी कहानी' (2002), 'मोहल्ला अस्सी' (2018) और 'चुप' (2022) शामिल हैं। यहां तक कि साल 2002 से 2018 के बीच 16 सालों तक उनकी कोई भी फिल्म एडल्ट रेटिंग के साथ रिलीज़ नहीं हुई थी। ऐसे में 'बटवारा 1947' को 'A' सर्टिफिकेट मिलना उनके कमर्शियल सिनेमाई सफर में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। फिल्म की कहानी प्रसिद्ध नाटककार सैयद असग़र वजाहत के लोकप्रिय नाटक 'जिस लाहौर नई देख्या' पर आधारित है। इसकी पटकथा एक मोहाजिर मुस्लिम परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो विभाजन के बाद लखनऊ से पलायन कर लाहौर पहुंचता है। वहां उन्हें एक खाली पड़ी हवेली अलॉट की जाती है। जब परिवार उस घर में रहने आता है, तो उन्हें पता चलता है कि वहां एक बुजुर्ग हिंदू महिला पहले से रह रही हैं, जो दशकों पुराने अपने इस घर को छोड़कर जाने से साफ इनकार कर देती हैं। शुरुआत में उस परिवार और बुजुर्ग महिला के बीच खिंचाव और टकराव की स्थिति पैदा होती है, लेकिन धीरे-धीरे उनके बीच की दूरी मिटती जाती है और कहानी सह-अस्तित्व, करुणा तथा साझा इंसानियत का रूप ले लेती है। यह इतिहास के सबसे दर्दनाक विस्थापन के बीच उपजी इंसानी भावनाओं को दर्शाती है। फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है।

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े ने द इंडिया स्टोरी की ग्रीन कार्पेट स्क्रीनिंग में बिखेरा जलवा

अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म द इंडिया स्टोरी की 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ से पहले अभिनेता श्रेयस तलपड़े और अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने फिल्म की भव्य ग्रीन कार्पेट स्क्रीनिंग में शिरकत की। इस खास मौके पर फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई नामचीन चेहरे, मीडिया प्रतिनिधि और विशेष मेहमान मौजूद रहे, जिन्होंने फिल्म की दमदार कहानी को बड़े पर्दे पर देखा। ग्रीन कार्पेट पर काजल अग्रवाल अपने शानदार और आकर्षक अंदाज़ में नज़र आईं, जबकि श्रेयस तलपड़े ने मेहमानों और मीडिया से गर्मजोशी से मुलाकात की। दोनों कलाकारों ने फिल्म को लेकर अपनी उत्सुकता साझा करते हुए कहा कि द इंडिया स्टोरी केवल एक मनोरंजक फिल्म नहीं, बल्कि समाज के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। ज़ी स्टूडियोज़ और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज़ के सहयोग से प्रस्तुत द इंडिया स्टोरी देश में खाद्य पदार्थों में मिलावट और खेती में कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल जैसे गंभीर मुद्दे को केंद्र में रखती है। फिल्म दर्शकों को इस बात पर सोचने के लिए प्रेरित करती है कि आखिर उनकी थाली तक पहुँचने वाला भोजन कितना सुरक्षित है और उसका उनके स्वास्थ्य व समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है। चेतन डीके के निर्देशन में बनी द इंडिया स्टोरी को सागर बी. शिंदे ने लिखा और प्रोड्यूस किया है।

कौन है नितेश तिवारी की 'रामायण' का जटायू? रामानंद सागर की 'रामायण' में सुनील वर्मा ने निभाया था किरदार

साल 2026 की सबसे चर्चित फिल्मों में शामिल नितेश तिवारी की 'रामायण' लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। 23 दमदार एक्टर्स एस फिल्म में अहम रोल निभाएंगे। रणबीर कपूर (भगवान राम), साई पल्लवी (माता सीता), यश (रावण) और रवि दुबे (लक्ष्मण) जैसे दिग्गजों से सजी इस फिल्म में अब एक और बड़ा नाम जुड़ गया है। दादासाहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के आधिकारिक ऐलान के मुताबिक वरिष्ठ अभिनेता अनुपम खेर इस पौराणिक गाथा में 'जटायु' के किरदार को अपनी आवाज देंगे। इससे पहले कयास लगाए जा रहे थे कि अमिताभ बच्चन इस किरदार को आवाज दे सकते हैं, लेकिन अब अनुपम खेर के नाम पर मुहर लग चुकी है। रावण से सीता जी की रक्षा करते हुए जटायु के युद्ध का दृश्य फिल्म का बेहद भावुक और मुख्य आकर्षण होगा।
नितेश तिवारी की आगामी फिल्म 'रामायण' में जटायु को भारी वीएफएक्स के साथ दिखाया जाएगा, जिसमें दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर इस पौराणिक पक्षी को अपनी आवाज देंगे। निर्देशक नितेश तिवारी ने संकेत दिया है कि जटायु और रावण के बीच का हवाई युद्ध पूरी फिल्म के सबसे रोमांचक विजुअल हाइलाइट्स में से एक होगा। इस दृश्य को एक सिनेमाई भव्यता देने के लिए प्रोडक्शन ऑस्कर विजेता स्टूडियो DNEG से भारी वीएफएक्स सहायता ले रहा है। दादासाहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल की पोस्ट के अनुसार, 'वरिष्ठ अभिनेता अनुपम खेर को नितेश तिवारी की 'रामायण' में जटायु की आवाज के रूप में कन्फर्म कर दिया गया है। इस घोषणा ने उन महीनों की अटकलों पर विराम लगा दिया है कि अमिताभ बच्चन इस पौराणिक पक्षी को अपनी आवाज देंगे, जो सीता को बचाते समय रावण से लड़ता है। रावण के साथ जटायु के युद्ध को फिल्म के सबसे भावनात्मक रूप से शक्तिशाली दृश्यों में से एक माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्देशक नितेश तिवारी ने इस सीन को एक प्रमुख सिनेमाई पल के रूप में हाइलाइट किया है, जिसमें अनुपम खेर की आवाज इस पूजनीय किरदार को पर्दे पर जीवंत करने के लिए तैयार है।'

सार समाचार

भारत ने बांग्लादेश को ब्रिक्स समिट के लिए दिया खास न्योता

ढाका। भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले 18वें ब्रिक्स समिट के लिए निमंत्रण दिया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस समिट में वैश्विक सहयोग, व्यापार और सतत विकास को लेकर बातचीत होने की उम्मीद है। बांग्लादेश के विदेश मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने गुरुवार दोपहर को रिपोर्टरों से बात करते हुए कन्फर्म किया कि विदेश मंत्रालय को भारत से निमंत्रण पत्र मिला है और इसे प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) भेज दिया गया है। बांग्लादेशी मीडिया ने बताया कि 11 सदस्यों वाले सदस्य का मेंबर या ऑब्जर्वर न होने के बावजूद, भारत ने बांग्लादेश को विशेष अतिथि के तौर पर निमंत्रण दिया है। भारत की तरफ से यह खास कदम दोनों देशों के आपसी रिश्तों को मजबूत करने और क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने की कोशिशों के बीच आया है। अभी ब्रिक्स के सदस्य ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात हैं। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता "बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी" थीम पर आधारित है, जो 2025 रियो समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बताए गए लोगों पर केंद्रित और मानवता को सबसे पहले रखने वाले नजरिए को दिखाता है। पिछले महीने, भारत सरकार ने बांग्लादेश में अपने उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी को यूनियन कैबिनेट मिनिस्टर का दर्जा दिया, जो यह दिखाता है कि नई दिल्ली ढाका के साथ संबंधों को कितना महत्व देती है। जुलाई 2024 के प्रदर्शनों के बाद यह सेवा निलंबित कर दी गई थी। यह घोषणा उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने ढाका के जमुना फ्यूचर पार्क स्थित भारतीय वीजा आवेदन केंद्र के दौरे के दौरान की।

कनाडा ने अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क का किया भंडाफोड़

ओंटारियो। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, कनाडाई अधिकारियों ने सीमा पार संचालित एक कथित मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। ओंटारियो में वजन के हिसाब से की गई सबसे बड़ी ड्रग जब्ती कार्रवाइयों में से एक के दौरान जांचकर्ताओं ने लगभग 14 करोड़ कनाडाई डॉलर मूल्य के अवैध मादक पदार्थ बरामद किए और 21 लोगों के खिलाफ आरोप दर्ज किए। पुलिस और कनाडा बॉर्डर सर्विसेज एजेंसी द्वारा जारी संयुक्त बयान के अनुसार, 'प्रोजेक्ट बे' नामक इस अभियान के तहत लगभग 973 किलोग्राम संदिग्ध कोकीन, 660 किलोग्राम संदिग्ध मेथामफेटामाइन और 49 किलोग्राम संदिग्ध अफीम बरामद की गई।

UN में भारत ने पाकिस्तान को घेरा, PoK में दमन पर संयुक्त राष्ट्र की चुप्पी को लेकर उठाए सवाल

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के प्रति निराशा जताते हुए कहा है कि पाकिस्तान, खासकर उसके कब्जे वाले कश्मीर में हो रहे दमन को नजरअंदाज किया जा रहा है, जबकि अन्य देशों में ऐसी घटनाओं की संयुक्त राष्ट्र खुलकर आलोचना करता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरिश ने गुरुवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और पूरे पाकिस्तान में मानवाधिकारों के दमन और स्वतंत्रता पर अंकुश का जिक्र करते हुए कहा, "अन्य देशों में इसी तरह की घटनाओं पर संयुक्त राष्ट्र कड़ी प्रतिक्रिया देता है, लेकिन पाकिस्तान में हो रहे ऐसे दमन को वह ध्यान नहीं मिलता, जिसका वह हकदार है।"

उन्होंने कहा, "पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में जारी घटनाक्रम पाकिस्तानी राज्य के वास्तविक चरित्र को पूरी तरह उजागर करते हैं।"

'विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के तंत्र को मजबूत करने' के विषय पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में पाकिस्तान द्वारा कश्मीर मुद्दा उठाए जाने का जवाब देते हुए भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरिश ने कहा, "दुनिया पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कश्मीरियों के बुनियादी अधिकारों, अभिव्यक्ति और संगठन की स्वतंत्रता तथा मौलिक आजादी के लगातार हो रहे दमन की गवाह है।"

उन्होंने कहा, "ये कोई अलग-थलग मामले नहीं हैं, बल्कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में करीब आठ दशकों से पाकिस्तानी सरकार की एक बड़ी साजिश का हिस्सा हैं।" पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाके में अपने अधिकारों के लिए आंदोलन कर रहे कश्मीरियों को इस्लामाबाद सरकार ने बेरहमी से दबाया है।

रुबियो के बयान पर ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने दी चेतावनी, अमेरिकी आक्रामकता से बढ़ेंगी ट्रंप की मुश्किलें

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने चेतावनी दी है कि ईरान के खिलाफ अमेरिका के लगातार सैन्य हमले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की संभावित समझौता कोशिशों की कीमत और बढ़ा देंगे। उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के हालिया बयानों को जमीनी हकीकत से अलग बताते हुए खारिज कर दिया। अराघची ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, "अमेरिकी प्रशासन में समझौते की वकालत करने वाले लोग जमीनी हकीकत को नजरअंदाज कर केवल 2028 पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं।" उन्होंने कहा, "वे जिस बिना सोचे-समझे सैन्य हमले की वकालत कर रहे हैं, उससे केवल यह सुनिश्चित होगा कि ट्रंप को उस समझौते के लिए और अधिक कीमत चुकानी पड़े, जिसे हासिल करने की वह कोशिश कर रहे हैं।" अराघची की यह प्रतिक्रिया अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के उस दावे के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान संघर्ष समाप्त करने के लिए वाशिंगटन के साथ निजी स्तर पर बातचीत करना चाहता है, हालांकि तेहरान फिलहाल किसी समझौते के लिए तैयार नहीं है। गुरुवार को मनीला में आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के प्रति "आंख के बदले सिर" की नीति अपनाई है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई जारी रही तो तेहरान को और भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि अमेरिका की सेना ने गुरुवार शाम (स्थानीय समय) को ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमलों का एक और दौर शुरू किया। अमेरिकी सेना ने लगातार 13वीं रात को ईरान के ऊपर हमला जारी रखा। इससे पहले गुरुवार को, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उसने तीन तेल टैंकरों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने से रोक दिया था, जिनमें से एक में धमाके के बाद आग लग गई थी। आईआरजीसी ने चेतावनी दी कि अमेरिका के बहकावे में आकर यदि कोई जहाज ईरान की मंजूरी के बिना वहां से गुजरने का प्रयास करेगा तो उसका भी यही अंजाम होगा।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग सितंबर में करेंगे अमेरिका का दौरा, व्हाइट हाउस में ट्रंप से होगी मुलाकात

वाशिंगटन। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के अमेरिका दौरे को लेकर हलचल तेज हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार (स्थानीय समय) को कहा कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सितंबर में व्हाइट हाउस आने की उम्मीद है। इससे व्यापार, तकनीक और सुरक्षा को लेकर रणनीतिक कॉम्पिटिशन के बीच दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश के नेताओं के बीच एक और उच्चस्तरीय बैठक की योजना का संकेत मिलता है। शी जिनपिंग के दौरे को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यह बात व्हाइट हाउस में 2025 वर्ल्ड सीरीज चैंपियन लॉस एंजिल्स डोजर्स की मेजबानी करते हुए कही। उन्होंने खिलाड़ियों को नए बने व्हाइट हाउस के मैदान और ओवल ऑफिस दिखाते हुए आने वाले दौरे का जिक्र किया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, "तीन हफ्ते पहले किंग चार्ल्स यहां आए थे। अगले तीन हफ्ते में राष्ट्रपति शी आ रहे हैं। वह सितंबर में यहां आने वाले हैं।" उन्होंने कहा, "हम दुनिया के सबसे ताकतवर ऑफिस, ओवल ऑफिस से कुछ ही कदम दूर हैं, जहां सब कुछ शुरू होता है, खत्म होता है और शुरू होता है।"

ट्रंप ने कहा, "हम दुनिया के सबसे शक्तिशाली कार्यालय, ओवल ऑफिस से बस कुछ कदम दूर हैं। वहीं से सब कुछ शुरू होता है, खत्म होता है और फिर से शुरू होता है।" उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, "बातचीत के लिए यह शानदार जगह है, क्योंकि जब लोग ओवल ऑफिस में प्रवेश करते हैं तो वे थोड़ा असहज और भ्रमित हो जाते हैं। ऐसे समय में उनके साथ बातचीत करना मेरे लिए सबसे अच्छा मौका होता है।" हालांकि, ट्रंप ने प्रस्तावित बैठक, उसके एजेंडे या किसी संभावित समझौते के बारे में कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी।

रोमानिया में राष्ट्रपति मुर्मु ने सैनिक स्मारक पर दी श्रद्धांजलि, बिजनेस फोरम को संबोधित कर भारत में निवेश का किया आह्वान

बुखारेस्ट। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को अपनी तीन देशों की यूरोप यात्रा के आखिरी चरण के समापन से पहले रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में स्थित 'टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर' पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुखारेस्ट, रोमानिया में 'टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर' पर श्रद्धांजलि दी। यह स्मारक अपने देश के लिए शहीद हुए सैनिकों के प्रति रोमानिया की कृतज्ञता का प्रतीक है और देशभक्ति, एकता और शांति का राष्ट्रीय प्रतीक माना जाता है।" इससे पहले दिन में राष्ट्रपति मुर्मु ने बुखारेस्ट में आयोजित भारत-रोमानिया बिजनेस फोरम को संबोधित किया। कार्यक्रम में रोमानिया के राष्ट्रपति निकुसोर डैन, वहां की सरकार के सदस्य, भारत और रोमानिया के उद्योग जगत के प्रतिनिधि और दोनों देशों के उद्योग संगठनों के सदस्य मौजूद रहे।

राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया कि राष्ट्रपति ने कहा, "'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य भारत को आजादी के 100 साल पूरे होने तक एक विकसित देश बनाना है। इस सफर में अंतरराष्ट्रीय साझेदारी, निवेश और तकनीकी सहयोग के लिए कई बड़े अवसर हैं।"

उन्होंने रोमानिया की कंपनियों से भारत की विकास यात्रा में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की।

राष्ट्रपति सचिवालय ने फोरम के बाद कहा, "करीब दो अरब लोगों के साझा बाजार और लगभग 25 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दुनिया की सबसे अहम आर्थिक साझेदारियों में से एक है। इसका उद्देश्य व्यापार को बढ़ावा देना, निवेश बढ़ाना और मजबूत और विविध सप्लाई चेन तैयार करना है।"

राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि इस एफटीए को जल्द और प्रभावी तरीके से लागू करना बहुत जरूरी है। इससे कारोबार के लिए भरोसेमंद माहौल बनेगा, वैल्यू चेन के बीच बेहतर तालमेल होगा और दोनों पक्षों के एमएसएमई, स्टार्टअप और नए इनोवेशन करने वालों के लिए नए मौके खुलेंगे।

उन्होंने कहा कि भारत का दुनिया भर में सराहा जाने वाला डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, तेजी से बढ़ता स्टार्टअप इकोसिस्टम और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) में उसकी मजबूत पहचान, रोमानिया की सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, साइबर सुरक्षा, रिसर्च और एडवांस टेक्नोलॉजी की ताकत के साथ मिलकर बेहतर सहयोग कर सकती है।

बलूचिस्तान के खुजदार में पाकिस्तानी सेना की गोलाबारी में एक की मौत, घायलों में आम नागरिक भी शामिल

क्वेटा। बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में एक और व्यक्ति की मौत का मामला सामने आया है। स्थानीय मीडिया ने शुक्रवार को सूत्रों के हवाले से बताया कि बलूचिस्तान के खुजदार जिले में पाकिस्तानी सेना की गोलाबारी में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और महिलाओं व बच्चों समेत कई अन्य घायल हो गए। यह घटना खुजदार में वाध के ड्राखाला-गैसलाती इलाके में हुई। गोलीबारी के बाद वहां के लोगों ने हाईवे पर धरना दिया और मृतक अब्दुल कादिर का शव प्रदर्शन वाली जगह पर रख दिया। द बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, धरना-प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सेना की गोलाबारी गुरुवार सुबह शुरू हुई और वाध के एक आम इलाके में हुई। प्रदर्शनकारियों ने घटना की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही की मांग की और स्पष्ट जांच होने तक धरना जारी रखने की कसम खाई। घटना की निंदा करते हुए बलूच नेशनल मूवमेंट (बीएनएम) के चेयरमैन नसीम बलूच ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, "आम लोगों के इलाकों पर गोलाबारी, लोगों को जबरदस्ती गायब करना, बिना किसी कानूनी कार्रवाई के हत्याएं, हिरासत में मौतें और सामूहिक सजा, चल रहे संघर्ष की लगातार बनी हुई बातें बन गई हैं, जिससे स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की तुरंत जरूरत पर जोर पड़ता है।"

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त राष्ट्र, स्वतंत्र मीडिया और मानवाधिकार संगठनों सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बलूचिस्तान में बिना किसी रोक-टोक के पहुंचने की अनुमति दी जानी चाहिए, ताकि वहां की वास्तविक स्थिति का पता लगाया जा सके, मानवाधिकार हालात की निगरानी की जा सके और पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। गुरुवार को मानवाधिकार संगठन बलोच वॉयस फॉर जस्टिस (बीवीजे) ने बलूचिस्तान के कई इलाकों, खांड कोटचा, जेहरी, नौशकी और जिवानी में पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा लंबे समय से लगाए गए कर्फ्यू, इंटरनेट बंदी और आवाजाही पर प्रतिबंध को लेकर गंभीर चिंता जताई।

राष्ट्रपति मुर्मु ने रोमानिया के पीएम इली से की मुलाकात, मुख्य क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर की चर्चा

बुखारेस्ट। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और रोमानिया के प्रधानमंत्री इली बोलोजान ने शुक्रवार को बुखारेस्ट के विक्टोरिया पैलेस में एक बैठक की। इस बैठक में उन्होंने कई खास क्षेत्रों में आपसी संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी एक बयान में बताया गया कि दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, स्वच्छ ऊर्जा, कनेक्टिविटी और नई तकनीक में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज और दूसरे अधिकारी भी बैठक में मौजूद थे। राष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, "राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुखारेस्ट के विक्टोरिया पैलेस में रोमानिया के प्रधानमंत्री इली बोलोजान के साथ भारत-रोमानिया द्विपक्षीय संबंधों पर विस्तृत चर्चा की।" इससे पहले, राष्ट्रपति मुर्मु ने बुखारेस्ट में भारत-रोमानिया बिजनेस फोरम को संबोधित किया।

राष्ट्रपति मुर्मु रोमानिया के राजकीय दौरे पर हैं; यह तीन दशकों के बाद किसी भारतीय राष्ट्रपति का रोमानिया का पहला दौरा है।

कंज्यूमर अफेयर्स, फूड और पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बंभानिया, सांसद दिनेश शर्मा और विजय बघेल भी इस दौरे पर राष्ट्रपति के साथ हैं।

भारत-रोमानिया बिजनेस फोरम में राष्ट्रपति ने कहा कि यूरोप के प्रमुख संपर्क बिंदु पर स्थित रोमानिया, अपनी रणनीतिक स्थिति, अत्यन्त कुशल मानव संसाधन, उन्नत औद्योगिक क्षमता और यूरोपीय संघ के साथ सुदृढ़ एकीकरण के कारण भारत का एक स्वाभाविक और महत्त्वपूर्ण साझेदार बना हुआ है।

'मुझ पर लगातार चाकू से वार कर रहा था', अदालत में सलमान रुश्दी ने सुनाई जानलेवा हमले की दास्तान

न्यूयॉर्क। लेखक सलमान रुश्दी ने उस भयावह हमले का आंखों देखा हाल अदालत में बयान किया, जिसमें 2022 में न्यूयॉर्क राज्य के चौटाक्वा इंस्टीट्यूशन में आयोजित एक साहित्यिक कार्यक्रम के दौरान उन पर चाकू से हमला किया गया था और उनकी दाहिनी आंख चली गई थी। रुश्दी ने गुरुवार को हमलावर हादी मतर के खिलाफ संघीय आतंकवाद से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान अदालत में गवाही देते हुए कहा, "मैं मंच पर पड़ा था और मेरे चारों ओर खून का एक बड़ा तालाब था।" उन्होंने बताया कि हमलावर लगातार उन पर चाकू से वार कर रहा था। रुश्दी ने कहा, "मैं वहां से निकलने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वह मेरे ऊपर चढ़ा हुआ था और लगातार चाकू से वार कर रहा था।"

हादी मतर को इससे पहले न्यूयॉर्क की राज्य अदालत में हत्या के प्रयास सहित अन्य आरोपों में दोषी ठहराया जा चुका है। फिलहाल बफेलो की संघीय अदालत में उसके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद से जुड़े आरोपों पर मुकदमा चल रहा है। अमेरिकी कानूनी व्यवस्था में राज्य और संघीय कानून अलग-अलग हैं। इसलिए एक ही घटना में किसी व्यक्ति पर दोनों कानूनों के तहत अलग-अलग मुकदमे चलाए जा सकते हैं।

लेबनानी मूल का 28 वर्षीय अमेरिकी नागरिक हादी मतर राज्य अदालत द्वारा सुनाई गई 25 वर्ष की सजा काट रहा है। यदि वह संघीय आतंकवाद के आरोपों में भी दोषी ठहराया जाता है तो उसे आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। विडंबना यह रही कि वह लेखकों की सुरक्षा पर बोलने वाले थे, तभी उन पर हमला कर दिया गया।

'शब्दों के नतीजे होते हैं': इजरायली विदेश मंत्री ने चाकू से हमले के बाद मेयर ममदानी को दोषी ठहराया

यरुशलम/न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी में दो यहूदियों पर चाकू से हमले के मामले सामने आए। इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क शहर में दो लोगों पर चाकू से हुए हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे एक भयानक यहूदी-विरोधी हमला बताया और न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी पर ऐसे माहौल में योगदान देने का आरोप लगाया, जिसमें यहूदियों को निशाना बनाया जा रहा है। इजरायली विदेश मंत्री सार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस घटना को लेकर गुस्सा दिखाया और इसे इजरायल के खिलाफ महीनों से लोगों को भड़काने की कोशिश से जोड़ा। सार ने लिखा, "मैं न्यूयॉर्क में हुए भयानक एंटीसेमिटिक (यहूदी विरोधी) चाकूबाजी हमले से हैरान हूं। व्याकुल हूं लेकिन दुख की बात है कि हैरान नहीं हूं। यह हिंसा यूं ही नहीं हुई। ममदानी की तरफ से यहूदी देश के खिलाफ महीनों से चल रही भड़काने की कोशिशों ने ऐसा माहौल बनाने में मदद की है जिसमें यहूदियों को निशाना बनाया जा रहा है।"

इजरायली विदेश मंत्री ने आगे कहा, "बातों के नतीजे होते हैं।" न्यूयॉर्क शहर के मेयर से तुरंत कार्रवाई की मांग करते हुए, सार ने कहा, "ममदानी को भड़काना बंद करना चाहिए, यहूदी-विरोधी भावना का डटकर सामना करना चाहिए और शहर के यहूदी समुदाय की रक्षा के लिए अभी कार्रवाई करनी चाहिए।

बस बहुत हो गया।" जांच अधिकारी यह भी पड़ताल कर रहे हैं कि क्या इन हमलों को हेट क्राइम (घृणा अपराध) माना जाना चाहिए।

SPORTS NEWS

Mayank Yadav weighs in on his injury setbacks after sensational comeback for India

India pacer Mayank Yadav made his return to international cricket as the Men in Blue took on Zimbabwe in the first T20I of the ongoing three-game series. Following his debut in 2024, the fast bowler has been forced into a long break from cricket due to a lower back stress fracture and surgery and a string of injuries. In the opening game of the three-match T20 series against Zimbabwe, in Harare, Yadav made his comeback with a superb spell and took the Player of the Match award home as well. He led the bowling attack and, with the first ball of the game, dismissed Brian Bennett for a duck. Subsequently, he took out Dion Myers within the power play, putting in an exceptional showing. Yadav played a crucial role in restricting Zimbabwe to 125 runs. He took two wickets while giving away 18 runs in four overs. India chased the 126-run target with ease, with over six overs to spare. He expressed his joy in playing for India once more.

Jos Buttler surpasses Chris Gayle in elite list, scripts history despite subpar performance in The Hundred

The 3rd game of the ongoing The Hundred 2026 saw Manchester Super Giants taking on London Spirit. The two sides met at the Lord's Cricket Ground in London on July 23rd, and the game saw Super Giants register a 7-run victory in the clash. However, it was veteran batter Jos Buttler who etched his name in the history books. It is worth noting that Manchester Super Giants came into bat first, and the side posted a total of 138 runs in the first innings of the game, and Buttler only managed to amass 16 runs to his name. Despite his subpar knock, Buttler went on to surpass Chris Gayle in the list of highest run-getters in T20 cricket, now sitting in second place in the list. Interestingly, after his 16-run knock, Buttler now has 14,572 runs to his name, only sitting behind Kieron Pollard, who has 14,803 runs to his name. In the clash, Buttler surpassed Gayle's tally of 14,562 runs, re-establishing himself as one of the greatest T20 batters the world has seen. After Super Giants were limited to a score of 138 runs in the first innings, London Spirit was limited to 131 runs, as MSG won the game by seven runs. "A little disappointed. I thought it was a really good game of cricket, to be honest."

I'll not give my full effort in the Commonwealth Games, my focus is the Asian Games

India's premier weightlifter Mirabai Chanu has confirmed that she will adopt a measured approach at the 2026 Commonwealth Games. She chose to protect her fitness ahead of a bigger target later this year, which is the Asian Games in Japan. The Olympic silver medallist, who carried the Indian flag during Thursday's Commonwealth Games opening ceremony, said her competition strategy has been planned with the Asian Games in mind rather than pursuing maximum lifts in Glasgow. Chanu is seeking a first-ever Asian Games podium finish when the continental event takes place in Aichi-Nagoya from September 19 to October 4. As a result, the reigning Commonwealth Games champion will not attempt a 90kg snatch during the ongoing Games. Notably, the decision comes despite her status as the overwhelming favourite in the women's 48kg division, where she completed her legal lifts in the snatch and clean and jerk is expected to be enough to secure the gold medal. "I will not give my full effort in the Commonwealth Games. My focus is the Asian Games, which are very near. I am training according to that. So my performance and effort here will depend on that plan," Chanu told PTI. The former world champion also indicated that her primary objective is to peak for the Asian Games, where she expects stronger opposition and plans to push for the 90kg snatch.

Jurgen Klopp threatens to quit Germany head coach role on day 1 of appointment

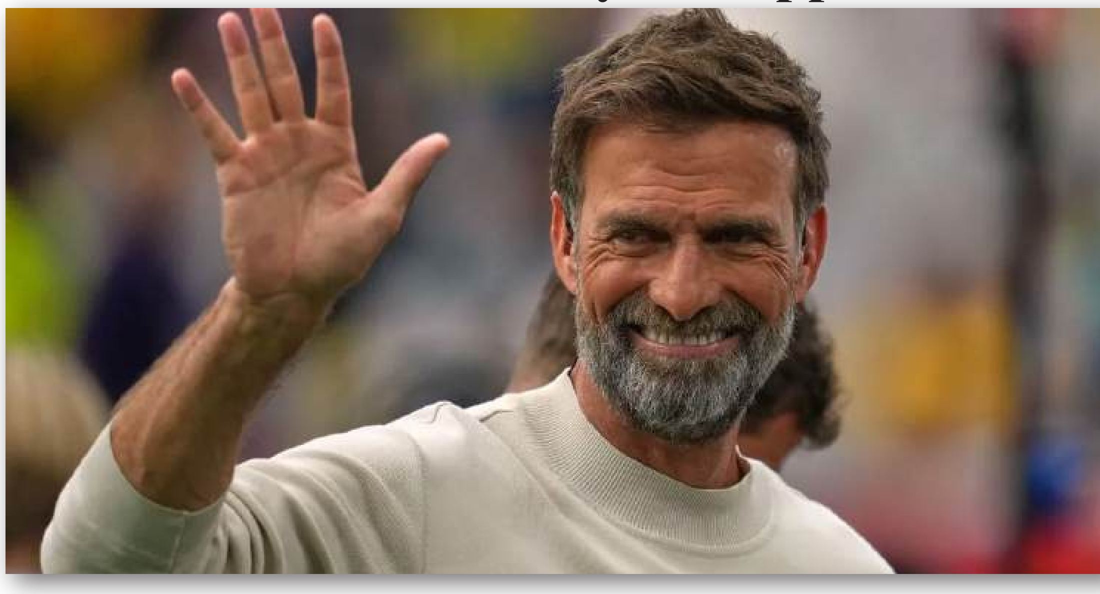

After a disappointing FIFA World Cup 2026, Germany appointed Jurgen Klopp as the new head coach. The former Liverpool boss has been handed a four-year contract after Julian Nagelsmann's resignation following Germany's shocking exit to Paraguay in the Round of 32 in the tournament. Klopp's deal will now keep him in charge through the 2030 World Cup, which will be co-hosted by Spain, Portugal and Morocco. Meanwhile, in an interesting development, Klopp on day1 has warned that he will walk away from his new role as Germany head coach if his family's privacy is not respected. During the unveiling press conference, Klopp made it clear that protecting his family remains a non-negotiable condition during his tenure. "If you behave badly and don't leave my family in peace, then I'll be gone, I'll just turn away. I know there are other countries where national team coaches are treated even worse. I love this job, but I am always ready to call it quits if need be," Klopp said. The 59-year-old also signalled that leading Germany would represent the final chapter of his coaching career, describing the position as the highest achievement he could attain in football management. "Jurgen Klopp is not going to have any 'career' after the national team. This is the pinnacle, the absolutely high point of my footballing career as coach. I will give everything I have got," he added. Notably, Klopp returns to the dugout after more than a year away from coaching. He stepped down as Liverpool manager at the end of the 2023-24 season after nine years in charge, explaining at the time that he had "running out of energy". The Germany job marks his first experience in international football. He said the opportunity arrived at the right stage of his career and admitted the significance of the position had become more apparent in recent days. "Over the last few days it was almost like a movie happening to myself. I have always surmised the job of Germany head coach is really big but now it is really dawning on me what being the national team head coach is all about. For many, many years it was unimaginable for me to assume this position. As the years went by, it became more or less evident that sooner or later I would be asked to do this job. Now I think the time is right," the German said.

Another Indian athlete ruled out of Commonwealth Games after NADA suspends for whereabouts failure

Olympian Tulika Maan has been withdrawn from India's Commonwealth Games squad after being provisionally suspended by the National Anti-Doping Agency (NADA). The 2022 Commonwealth Games silver medallist will miss the Glasgow Games after allegedly committing three whereabouts failures within a rolling 12-month period. Notably, she was among India's leading medal contenders in the women's +78kg judo event. "She has committed three whereabouts failures in a 12-month period and NADA has sent notice to her. So, she will be withdrawn from the team," a judo coach told PTI on condition of anonymity. According to reports, the alleged whereabouts failures triggered a provisional suspension under the World Anti-Doping Agency (WADA) Code. Tulika has since been summoned by NADA and appeared before the anti-doping body on Thursday, July 23. Now, her withdrawal is the latest setback for the Indian judo contingent, which has not yet left for Glasgow. The team is scheduled to depart on July 27, with the judo competition beginning on July 31.

Joe Root set to become England captain again after Ben Stokes' retirement

Star England batter Joe Root is very likely to be named the next captain of the Test side. Former international Ben Stokes announced his retirement after the New Zealand series, leaving the door open for a new captain. However, the England and Wales Cricket Board is considering bringing Root back as leader, even though it was Harry Brook who was serving as Stokes' deputy. In the second Test against New Zealand, when the former all-rounder was out with a suspension following a nightclub incident in London, Root was handed the baton. The team management wanted to bring in someone responsible, especially as Brook has a history of his own controversial moments.

Andy Flower was the favourite to replace McCullum, but the former already said no to the role.

Afghanistan announce new ODI captain, reveal squad for three-match Ireland series

Rahmat Shah has been appointed as the new Afghanistan ODI captain after Hashmatullah Shahidi resigned from his position ahead of the five-match series against Ireland, starting August 5. Notably, the 33-year-old batter has served as Afghanistan's vice-captain in both Tests and ODIs since 2021. Now, he has been handed the baton to take command with the ODI World Cup 2027 in the mind of the selectors and team management. Meanwhile, Rahmat takes up the role as Afghanistan's leading ODI run-scorer. He has accumulated 4,121 runs in the format at an average of 35.22. On the other hand, Afghanistan have included fast bowlers Fazalhaq Farooqi and Yamin Ahmadzai in their 15-member squad as they look to strengthen their pace attack for the Ireland series. However, spinner Mujeeb Ur Rahman will miss the series after failing to recover from an injury. The squad has also seen changes following Afghanistan's three-match ODI series against India in June, where they suffered a 3-0 defeat. Fareed Malik and Bilal Sami, who were part of that squad, have now been moved to the reserves. Veteran allrounder Mohammad Nabi will also not be part of the Ireland tour. The experienced campaigner, who featured in the India series, is currently playing for Guyana Amazon Warriors in the Global Super League in Guyana, with the tournament scheduled to conclude on August 2. Farooqi and Ahmadzai return to the ODI setup after different periods away from the format. Ahmadzai last represented Afghanistan in a 50-over match in November 2022, while Farooqi's previous ODI appearance came in February 2025. The series against Ireland will begin in Bready, with the first two ODIs scheduled for August 5 and 7.

5 underrated Badminton stars to keep an eye on at BWF World Championships 2026

The BWF World Championships have long been a stage where underdogs announce themselves to the world. Although the spotlight usually falls on the biggest names, every edition has produced unexpected breakthroughs from young challengers. With New Delhi hosting the event from August 17 to 23, several young challengers will look to test themselves against the sport's biggest names. Here are five players capable of causing an upset and even challenging for the title.

1. Ayush Shetty (India), men's singles

The 20-year-old from Karnataka has had a breakout year, winning his first BWF World Tour title at the 2025 US Open Super 300.

2. Unnati Hooda (India), women's singles

At 18, Unnati Hooda has broken into the world's top 20. She is only the third Indian woman to do so after Saina Nehwal and PV Sindhu.

3. Alwi Farhan (Indonesia), men's singles

The 20-year-old junior world champion has made a smooth transition to the senior tour, winning the 2025 Macau Open Super 300 and helping Indonesia claim its first Asia Mixed Team title, unbeaten through that campaign.

4. Tomoka Miyazaki (Japan), women's singles

and, 5. Kalyana Nalbantova (Bulgaria), women's singles

Can an Ashes Test match be held in India?

There is no doubt that the Ashes is one of the biggest cricket spectacles in the world. Australia and England share one of the most iconic rivalries in world cricket, and with the upcoming edition of the Ashes, CA (Cricket Australia) has opened up on the possibility of hosting an Ashes Test in India. It is worth noting that the upcoming edition of the BBL (Big Bash League) will be hosting its season opener in India, and with that development, the possibility of an Ashes Test happening in India has increased as well. Speaking on the same, Cricket Australia's chief executive Todd Greenberg has come forward and talked about India possibly hosting an Ashes Test and did not rule out the possibility. The first Test will kick off on June 18, 2027, with the final Test slated to kick off on July 29, 2027.

क्या कम नींद लेने से हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ता है, कैसे पहचानें कि आप कम सो रहे हैं

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जितना जरूरी खाना है उतनी ही नींद भी है। अगर आप हेल्दी खाना खाते हैं लेकिन भरपूर और अच्छी नींद नहीं लेते तो इसका सेहत पर बुरा असर होगा। खासतौर से युवाओं में नींद की कमी के कारण हाई ब्लड प्रेशर की समस्या तेजी से बढ़ रही है। इसलिए नींद से जुड़ी आदतें कोई मामूली बात नहीं हैं, इसका असर दिमाग, शरीर और मन पर पड़ता है। अच्छी नींद आपको फिजिकली और मेंटली स्वस्थ और तरोताजा बनाने में मदद करती है। इससे आपके शरीर में ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल रहता है। हालांकि सिर्फ अच्छी नींद ही एक पहलू नहीं है। इसमें आपकी सोने की दिनचर्या, सोने से पहले आप क्या खाते या पीते हैं, आपकी नींद कितनी देर की और कैसी है ये सब भी मायने रखता है। यहां तक कि खर्राटे लेना या रात में बार-बार जागना जैसी आदतें भी नींद को प्रभावित करती हैं। लगातार खराब नींद से हाई ब्लड प्रेशर का खतरा काफी बढ़ जाता है। इस बारे में हमने शारदा हॉस्पिटल के इंटरनल मेडिसिन डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉक्टर भुमेश त्यागी से बात की और जाना कि नींद कैसे ब्लड प्रेशर पर असर डालती है।

जब आप कम सोते हैं तो शरीर में तनाव और हार्मोन का संतुलन बिगड़ने लगता है। इससे रक्तचाप (BP) बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। वहीं तनाव हार्मोन बढ़ने से दिल की धड़कन तेज होने लगती है और ब्लड प्रेशर हाई हो सकता है। डॉक्टर ने बताया कि अगर आपको पर्याप्त नींद नहीं मिलती या नींद की गुणवत्ता अच्छी नहीं होती, तो आपका ब्लड प्रेशर इससे बढ़ सकता है। अगर आप हाई ब्लड प्रेशर की मरीज हैं और अच्छी नींद नहीं ले रहे हैं तो इससे चुपचाप और धीरे-धीरे समय के साथ हार्मोन, हृदय गति और रक्त वाहिकाओं के कार्य को प्रभावित कर सकता है। रात में नींद पूरी नहीं होने पर शरीर संकेत देने लगता है।

कब्ज से राहत दिला सकते हैं ये नेचुरल ड्रिंक्स, ट्राय करके देखें

आजकल की खराब लाइफस्टाइल, खान-पान में फाइबर की कमी और कम पानी पीने की आदत के कारण कब्ज एक बेहद आम समस्या बन चुकी है। पेट साफ न होने पर दिनभर भारीपन, गैस, सिरदर्द और चिड़चिड़ापन बना रहता है। कब्ज की समस्या से छुटकारा पाने के लिए लोग दवाओं का सेवन करते हैं। लेकिन शायद आपको मालूम नहीं है कि कुछ नेचुरल ड्रिंक्स को शामिल कर आप कब्ज से आसानी से छुटकारा पा सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे आसान और असरदार नेचुरल ड्रिंक्स के बारे में, जो आपके पाचन तंत्र को दुरुस्त कर कब्ज से तुरंत राहत दिला सकते हैं। सुबह खाली पेट एक गिलास गुनगुने पानी में आधा नींबू का रस और एक चम्मच शहद मिलाकर पीना कब्ज से छुटकारा पाने का सबसे पुराना और असरदार उपाय है। नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड पाचन तंत्र को एक्टिव करता है और शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है।

ईसबगोल की भूसी फाइबर का एक बेहतरीन जरिया है। रात को सोने से पहले एक गिलास गुनगुने दूध या पानी में 1-2 चम्मच ईसबगोल मिलाकर पिएं। ईसबगोल आंतों में जमा मल को नरम बनाता है, जिससे सुबह पेट आसानी से साफ हो जाता है।

एलोवेरा सिर्फ त्वचा के लिए ही नहीं, बल्कि पेट के लिए भी एक वरदान है। एलोवेरा में नेचुरल लैक्सेटिव गुण होते हैं। सुबह खाली पेट 2-3 चम्मच एलोवेरा जूस को एक गिलास पानी में मिलाकर पीने से आंतों की सूजन कम होती है और पाचन में सुधार आता है। रात को 8-10 मुनक्के को एक गिलास पानी में भिगोकर रख दें। सुबह इस पानी को पिएं और मुनक्के को चबाकर खा लें। मुनक्के में प्रचुर मात्रा में फाइबर और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो आंतों की गतिशीलता को बढ़ाते हैं।

रागी में कौन सा विटामिन पाया जाता है? जानें इसे खाने से सेहत को मिलते हैं कौन से फायदे?

रागी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद अनाज है। यह अनाज पोषक तत्वों का भंडार है। इसमें एमिनो एसिड, एंटी-ऑक्सीडेंट्स, विटामिन, मिनरल और फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है। वजन कम करने के लिए खासतौर पर इसका सेवन करते हैं। लेकिन यह वजन के अलावा भी शरीर की कई समस्याओं को दूर करता है।

चलिए जानते हैं रागी में कौन से विटामिन पाए जाते हैं और इसे खाने से क्या फायदा होता है? रागी में विटामिन ई और विटामिन सी के अलावा विटामिन बी कॉम्प्लेक्स सबसे ज्यादा पाए जाते हैं। इसमें विटामिन बी1, बी2 जैसे विटामिन भी मौजूद होते हैं। विटामिन ई से स्किन हेल्दी बनती है और त्वचा को नमी भी मिल जाती है। विटामिन सी आयरन को सोखने में मदद करता है और सेहत को दुरुस्त रखता है।

डायबीटीज में फायदेमंद- रागी का ग्लाइसेमिक इंडेक्स दूसरे अनाज से कम होता है। इसलिए रागी खाने से ब्लड शुगर लेवल कम होता है। नाश्ते में रागी चीला या रोटी जरूर खाएं।

एनीमिया दूर करे- जो लोग रागी खाते हैं उनके शरीर में आयरन की कमी नहीं होती है। रागी खाने से शरीर को भरपूर आयरन मिलता है। एनीमिया के मरीज को खाने में रागी जरूर शामिल करनी चाहिए।

डिप्रेशन भगाए- रागी में ऐसे एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं जो तनाव को कम करते हैं। इसे खाने से एंग्जाइटी, डिप्रेशन और नींद न आने की समस्या दूर हो जाती है।

वजन घटाए- डाइटरी फाइबर से भरपूर रागी खाने के काफी देर बाद तक भूख नहीं लगती है। इससे आप ओवर ईटिंग से बचते हैं और मोटापा कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

हड्डियां मजबूत- रागी से हड्डियां मजबूत बनती है। हड्डियों को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना रागी का सेवन करें।

कोलेस्ट्रॉल कम करे- रागी में डाइटरी फाइबर फाइटिक एसिड होता है। जिससे कोलेस्ट्रॉल कम होता है। पोषण विशेषज्ञों के अनुसार रागी में कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे महत्वपूर्ण खनिज भी पाए जाते हैं, जो शरीर के समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक होते हैं। इसका उच्च फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाने और लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराने में मदद कर सकता है। यही कारण है कि इसे संतुलित आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

लहसुन के सेवन से सेहत को मिलते हैं ज़बरदस्त फायदे, जानें आखिर क्यों दी जाती है इसे खाली पेट खाने की सलाह?

लहसुन का इस्तेमाल रसोई घर में खूब किया जाता है। लहसुन के बिना दाल और सब्जी में स्वाद नहीं आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं लहसुन का सेवन करने से सेहत से जुड़ी कई बीमारियां भी कंट्रोल होती हैं। अगर आप रोज़ सुबह खाली पेट लहसुन खाते हैं तो इससे आपको कई फायदे होंगे। चलिए, जानते हैं खाली पेट लहसुन (Benefits of eating raw garlic in empty stomach) खाने से क्या होता है?

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता हैः अगर आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है तो लहसुन खाना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। लहसुन का इस्तेमाल एंटीसेप्टिक, जीवाणुरोधी और एंटीफंगल एजेंट के रूप में किया जाता है। यह शरीर से वायरस नष्ट करने में मदद कर सकता है। जोड़ों के दर्द में है फायदेमंदः लहसुन का एंटी-इंफ्लेमेटरी के रूप में काम करता है। अगर आपके जोड़ों या मांसपेशियों में दर्द और सूजन है, तो रोज़ाना खाली पेट लहसुन की 2 कलियां खाएं। आर्थराइटिस फाउंडेशन भी गठिया से होने वाले कार्टिलेज को होने वाले नुकसान को रोकने में मदद करने के लिए इसकी सिफारिश करता है। शरीर को डिटॉक्सीफाई करता हैः लहसुन को शरीर को डिटॉक्सीफाई करने में मदद करने वाले सबसे शक्तिशाली खाद्य पदार्थों में से एक माना जाता है। लहसुन इतना शक्तिशाली है कि यह मधुमेह, अवसाद और कुछ प्रकार के कैंसर जैसी बीमारियों को रोक सकता हैः हृदय स्वास्थ्य में सुधारः लहसुन धमनियों और रक्तचाप पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। लाल रक्त कोशिकाएं लहसुन में मौजूद सल्फर को हाइड्रोजन सल्फाइड गैस में बदल देती हैं। इससे हमारी रक्त वाहिकाएँ फैलती हैं, जिससे रक्तचाप को नियंत्रित करना आसान हो जाता है।

स्किन के लिए फायदेमंदः लहसुन के जीवाणुरोधी गुण और एंटीऑक्सीडेंट मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारकर त्वचा को साफ करते हैं। एक अध्ययन से पता चलता है कि कच्चे लहसुन को मुंहासों पर रगड़ने से वे दूर हो सकते हैं। हालाँकि, इस बात का ध्यान रखें कि लहसुन आपकी त्वचा पर जलन पैदा कर सकता है। इस तकनीक को आजमाने से पहले अपने त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लें, खासकर अगर आप कोई अन्य त्वचा देखभाल उत्पाद इस्तेमाल कर रहे हैं।

फैटी लिवर वाले सुबह 1 कप पी लें ये चाय, महीनेभर में दिखने लगेगा असर, लिवर हो जाएगा स्वस्थ

हमारी डाइट और लाइफस्टाइल का सेहत पर सबसे ज्यादा असर पड़ता है। खराब जीवनशैली शरीर को कई ऐसी बीमारियां दे रही है जिसकी वजह से आपकी सेहत पर गहरा असर पड़ता है। खाने से लिवर, पेट, आंत और किडनी पर असर पड़ता है। खराब खाने से लिवर में बहुत ज्यादा चर्बी जमा होने लगती है जिससे फैटी लिवर की समस्या पैदा हो जाती है। लिवर सेल्स में जब फैटी एसिड्स और ट्राइग्लिसराइड्स बढ़ जाता है तो लिवर फैटी हो जाता है। फैटी लिवर को ठीक करने के लिए डाइट में कुछ अहम चीजों को जरूर शामिल करें। फैटी लिवर टेस्ट से पता चल जाता है इसके अलावा कई लक्षणों से भी इसे पहचाना जा सकता है। अगर आपके पेट के आस-पास फैट जमा हो रहा है। एक्ने या स्किन से जुड़ी समस्या हो रही है। आंखों या स्किन पर पीलापन आ रहा है। बहुत ज्यादा थकान या कमजोरी महसूस हो रही है। त्वचा पर काले धब्बों हो रहे हैं तो ये लिवर से जुड़ी समस्याओं की ओर इशारा है। ये लक्षण फैटी लिवर होने पर नजर आते हैं। फैटी लिवर के अलग-अलग ग्रेड हैं। शुरुआत में ही फैटी लिवर का इलाज करने से समस्या को दूर किया जा सकता है। फैटी लिवर में ये चाय काफी असरदार साबित होती है। इस चाय को महीनेभर पीने से लिवर की सेहत में तेजी से सुधार आएगा। डाइटिशियन स्वाति सिंह की मानें तो धनिये और इलायची से बनी चाय लिवर के लिए टॉनिक का काम करती है। इस चाय को बनाने के लिए 1 मुट्ठी धनिया पत्ते और 3 इलाचयी को कूट लें। अब करीब 2 कप पानी को पैन में गर्म करें। इसमें कुटी इलायची और धनिया के पत्ते डालें। पानी को आधा रहने तक उबालें।

किन लोगों के लिए जहरीला साबित हो सकता है पपीता?

हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर पोषक तत्वों से भरपूर पपीते को डाइट प्लान का हिस्सा बनाने की सलाह देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पपीता खाने की वजह से कुछ लोगों की सेहत पर नेगेटिव असर भी पड़ सकता है? ज्यादा पपीता खाने से सेहत से जुड़ी कुछ समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि ये फल कुछ लोगों की सेहत के लिए काफी ज्यादा नुकसानदायक साबित हो सकता है। अगर आप रेस्पिरेटरी डिसऑर्डर्स से जूझ रहे हैं, तो आपको पपीते का सेवन करने से बचना चाहिए। आपको बता दें कि पपीते में पाए जाने वाले कुछ तत्व रेस्पिरेटरी डिसऑर्डर को ट्रिगर कर सकते हैं। इसके अलावा इस फल का सेवन करने की वजह से कुछ लोगों को एलर्जी की समस्या भी हो सकती है। आप जानते ही होंगे कि पपीते में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। लेकिन अगर आपको दस्त की समस्या हो रही हो, तो आपको इस फल का सेवन करने से बचना चाहिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि जरूरत से ज्यादा पपीता खाने से भी दस्त की समस्या पैदा हो सकती है। प्रेग्नेंसी के दौरान पपीते का सेवन हानिकारक हो सकता है।

सावधान! फ्रिज में रखे आटे का सेवन भूलकर भी न करें, वरना हो सकती हैं ये गंभीर बीमारियाँ

आज कल लोगों के पास समय की कमी रहती है। ऐसे में कई बार लोग रात में ही आटा गूंथ कर फ्रिज में रख देते हैं और फिर अगले दिन इसकी रोटियां बनाते हैं। दरअसल, इस आटे की रोटी का सेवन आपको कई बीमारियों का शिकार बना सकता है।

जी हां, इसके अलावा कुछ लोग तो कई दिनों तक फ्रिज में रखे हुए आटे का इस्तेमाल करते हैं जो कि सबसे ज्यादा नुकासनदेह हो सकता है। पर सोचने वाली बात ये है कि इसका नुकसान है क्या।

फंगल इंफेक्शन का कारण बन सकता हैः फ्रिज में रखा आटा, फर्मेंटेड हो सकता है यानी इसमें खमीर पैदा हो सकता है जो कि फंगल इंफेक्शन का कारण बनता है। इससे आपके शरीर में एक प्रकार की एलर्जी हो सकती है जो कि लंबे समय तक किसी समस्या का कारण बन सकता है। जैसे मतली और बार-बार होने वाली उल्टी आदि।

पाचन खराब कर सकता हैः फ्रिज में रखा आटा, आपके पाचन तंत्र को खराब कर सकता है। ये पेट का मेटाबोलिक रेट के साथ फूड इंफेक्शन का कारण बन सकता है जो कि आंतों में गुड बैक्टीरिया को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके अलावा ये आपके पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचाने का काम कर सकता है जो कि दस्त और पेट में इंफेक्शन पैदा कर सकता है।

आंतों में इंफेक्शन पैदा कर सकता हैः फ्रिज में रखा आटा, आंतों में इंफेक्शन पैदा कर सकता है। इसकी वजह से आपके आंतों का बैक्टीरिया और माइक्रोबायोटा डिस्टर्ब हो सकता है। इससे आपको लंबे समय तक परेशान करने वाली समस्याएं हो सकती हैं।

ये हरी चटनी नसों में जमें बैड कोलेस्ट्रॉल के कणों का करती है तेजी से सफाया

अगर आपका बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है तो उसे कंट्रोल करने के लिए अपनी डाइट में लहसुन की पत्तियों को शामिल करें। लहसुन हमारे पारंपरिक भोजन में अहम भूमिका निभाता है।

लेकिन यह बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में भी कारगर है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि रोजाना लहसुन खाने से एलडीएल कोलेस्ट्रॉल 9% तक कम हो सकता है। लहसुन एचडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ा सकती है, जिसे "अच्छा कोलेस्ट्रॉल" भी कहा जाता है। आज हम आपको लहसुन की एक ऐसी चटनी बनाने की रेसिपी बताने वाले हैं जिसे खाकर आप स्वस्थ रह सकते हैं। आपका कोलेस्ट्रॉल तो कम होगा ही सर्दी जुकाम से भी आपको राहत मिलेगी। लहसुन एलडीएल (खराब कोलेस्ट्रॉल) के उत्पादन को कम करके और शरीर से कोलेस्ट्रॉल के उत्सर्जन को बढ़ाकर कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है।

लहसुन में एलिसिन होता है, जो सल्फर-आधारित यौगिक है जो लहसुन को काटने, कुचलने या चबाने पर निकलता है। लहसुन की पत्तियों में एलिसिन और सल्फर पाया जाता है। जो आपके शरीर से बैड कोलेस्ट्रॉल को हटाता है, आपका दिल भी स्वस्थ रखता है।

100 साल तक स्वस्थ रहना है तो अपना लें योग का रास्ता, निरोगी रहेगी काया

अमेरिका में 20 साल तक चली एक स्टडी ने लोगों के इस माइंडसेट को बदल दिया है कि अच्छा दिखना सिर्फ महिलाओं के लिए बेहतर होता है। अमेरिका की पोलिस एकेडमी के मुताबिक फिजिकली अट्रैक्टिव पुरुष गुड लुकिंग महिलाओं के मुकाबले ज्यादा फायदे में रहते हैं।

जी हां, आपकी अब तक जो भी धारणा रही हो, लेकिन हकीकत यही है कि पढ़ाई से लेकर ऑफिस तक अट्रैक्टिव पर्सनेलिटी वाले मेल ज्यादा तरक्की करते हैं। मतलब ये कि अच्छा दिखना महिलाओं से ज्यादा पुरुषों के लिए मायने रखता है। आपको जानकर ताज्जुब होगा कि ट्रेडिशनली लोग स्मार्ट दिखने वाले को ज्यादा बुद्धिमान, भरोसेमंद और टेलेंटेड मानते हैं।

लेकिन रिपोर्ट में जो सबसे ध्यान देने वाली बात है वो ये कि अट्रैक्टिव फिगर की पहली शर्त फिटनेस से जुड़ी है। आप फिजिकली फिट रहेंगे तभी आकर्षक और सुंदर दिखेंगे। आपके करियर को भी तभी इसका फायदा मिलेगा। अब ऐसे में अगर आप भी चाहते हैं कि अच्छी पर्सनालिटी का फायदा उठाएं तो पहले अपनी तबियत ठीक कीजिए। क्योंकि फिटनेस के लिहाज से देश की बड़ी आबादी सवालों के घेरे में हैं। 35% भारतीय शुगर, बीपी, कोलेस्ट्रॉल, थायराइड जैसी किसी एक बीमारी की गिरफ्त में हैं। तो वहीं 23%लोग ओवर वेट हैं।

बेहतर रक्त संचार और एकाग्रता के लिए रोज करें सर्वांगासन

योग हमारे शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को बनाए रखने का एक प्राचीन और प्रभावशाली माध्यम है। योग के कई आसनों में 'सर्वांगासन' का विशेष महत्व माना जाता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होने के साथ-साथ मानसिक शांति और एकाग्रता बढ़ती है। 'सर्वांगासन' दो शब्दों से मिलकर बना है, 'सर्व' अर्थात सभी और 'अंग' अर्थात शरीर के भाग। इस आसन में शरीर का भार कंधों और गर्दन के सहारे ऊपर की ओर उठाया जाता है, जिससे शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है और कई शारीरिक क्रियाओं को संतुलित करने में मदद मिलती है। आयुष मंत्रालय के अनुसार सर्वांगासन (शोल्डर स्टैंड पोज) एक संपूर्ण योगासन है, जो शरीर का संतुलन, लचीलापन और आंतरिक अंगों के कार्य सुधारने में मदद करता है। इसे 'आसनों की रानी' भी कहा जाता है। साथ ही, यह आसन विशुद्धि चक्र को सक्रिय और संतुलित करने में सहायक होता है। इसके अभ्यास से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद मिलती है और मन को शांति एवं स्थिरता का अनुभव होता है। यह आसन ग्रीवा क्षेत्र की ग्रंथियों और उनसे जुड़े अंगों के कार्यों को संतुलित करने में सहायक माना जाता है। सर्वांगासन में शरीर की मुद्रा नीचे से ऊपर की ओर होने के कारण रक्त संचार बेहतर होता है, जिससे शरीर की कोशिकाएं अधिक सक्रिय रूप से कार्य कर पाती हैं।

इसके नियमित अभ्यास से शिराओं (वेंस) में रक्त की वापसी की प्रक्रिया बेहतर होती है। इस योगासन को करने के दौरान शरीर का पूरा भार कंधों और कोहनी पर संतुलित होता है। हालांकि, शुरुआत में इस आसन को सही तरीके से सीखना जरूरी है। विशेषज्ञों की देखरेख में अभ्यास करने से चोट लगने का खतरा कम रहता है। योग एक्सपर्ट की सलाह के साथ इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें, खासकर जिन्हें गर्दन, पीठ या उच्च रक्तचाप की समस्या हो।

यदि आप हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), सर्वाइकल (गर्दन में दर्द), या हाइपरथायरायडिज्म से पीड़ित हैं, तो इस आसन को न करें। योग विशेषज्ञों के अनुसार सर्वांगासन का अभ्यास हमेशा खाली पेट या भोजन के कम से कम तीन से चार घंटे बाद करना चाहिए। शुरुआत में इस आसन को कुछ सेकंड तक ही करें और धीरे-धीरे अभ्यास के साथ इसकी अवधि बढ़ाएं। आसन पूरा होने के बाद कुछ समय शवासन या मत्स्यासन जैसे पूरक आसनों का अभ्यास करने से शरीर को सामान्य स्थिति में आने में मदद मिलती है। सर्वांगासन करते समय शरीर को सीधा रखने और गर्दन पर अनावश्यक दबाव न पड़ने का विशेष ध्यान रखना चाहिए। यदि आसन के दौरान गर्दन, कंधे या पीठ में दर्द महसूस हो तो तुरंत अभ्यास रोक देना चाहिए।

हिंदुस्तान जिंक का पहली तिमाही में रिकॉर्ड प्रदर्शन, शुद्ध लाभ 145 प्रतिशत बढ़कर 5,469 करोड़ रुपए

उदयपुर। दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत जस्ता (जिंक) उत्पादक कंपनी और वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 चांदी उत्पादकों में शामिल हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (बीएसईः 500188 | एनएसईः हिंदजिंक) ने वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत अब तक के सबसे शानदार पहली तिमाही के प्रदर्शन के साथ की। कंपनी ने परिचालन से 13,747 करोड़ का अब तक का सबसे अधिक तिमाही राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 77% अधिक है। वहीं, 8,074 करोड़ का अब तक का सबसे अधिक तिमाही EBIT-DA दर्ज किया, जिसमें 109% की वृद्धि हुई। कंपनी का शुद्ध लाभ भी 5,469 करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा, जो साल-दर-साल 145% अधिक है। इस मजबूत वित्तीय प्रदर्शन के पीछे पहली तिमाही में अब तक का सबसे अधिक 268 किलो टन (KT) खनन धातु उत्पादन और 851 अमेरिकी डॉलर प्रति टन की अब तक की सबसे कम तिमाही जस्ता उत्पादन लागत रही। यह कंपनी की मजबूत परिचालन क्षमता, प्रभावी लागत प्रबंधन और उद्योग में उसकी प्रतिस्पर्धी बढ़त को दर्शाता है। हिंदुस्तान जिंक ने रिकॉर्ड मुनाफा, मजबूत नकदी प्रवाह और बेहतर मार्जिन दर्ज करते हुए दुनिया के सबसे कम लागत वाले जस्ता उत्पादकों में अपनी स्थिति और मजबूत की है। साथ ही, कंपनी ने दीर्घकालिक विकास के लिए भी मजबूत आधार तैयार किया है।

नेतृत्व में बदलाव : अमरेंदु प्रकाश बने हिंदुस्तान जिंक के नए CEO और पूर्णकालिक निदेशक

कंपनी के निदेशक मंडल ने अमरेंदु प्रकाश को 1 अगस्त 2026 से हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड का सीईओ और पूर्णकालिक निदेशक नियुक्त किया है। श्री अमरेंदु प्रकाश भारत के इस्पात क्षेत्र के अनुभवी उद्योग जगत के नेताओं में से एक हैं और उनके पास तीन दशक से अधिक का अनुभव है।

इससे पहले वे 2023 से 2026 तक स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रहे।

अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने परिचालन दक्षता, उत्पादन क्षमता के विस्तार, डिजिटल परिवर्तन और संगठन के प्रदर्शन को बेहतर बनाने जैसी कई महत्वपूर्ण पहलों का नेतृत्व किया। उनके नेतृत्व में भारत की सबसे बड़ी इस्पात कंपनियों में से एक SAIL ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कीं।

अमित गुप्ता बने हिंदुस्तान जिंक के मुख्य वित्तीय अधिकारी (CFO)

अमित गुप्ता ने 1 जून 2026 से हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्य वित्तीय अधिकारी (CFO) का कार्यभार संभाला है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट श्री अमित गुप्ता के पास 20 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्हें वित्तीय रणनीति, पूंजी प्रबंधन, कारोबार में बदलाव, लागत कम करने और कॉरपोरेट गवर्नेंस के क्षेत्र में गहरी विशेषज्ञता हासिल है।

उन्होंने वेदांता समूह की विभिन्न कंपनियों में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं।

ESG की प्रमुख उपलब्धियां : हमारी ESG पहलें कंपनी के कामकाज को और मजबूत बनाती हैं, जोखिम कम करने में मदद करती हैं और लंबे समय तक बेहतर विकास सुनिश्चित करती हैं।

नीट पेपर लीक के बाद मोदी सरकार का सबसे बड़ा एक्शन, एनटीए के 47 अधिकारियों को किया गया बर्खास्त

नीट पेपर लीक मामले में चल रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बीच सरकार की ओर से नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) में बड़े बदलाव का ऐलान किया गया है। शिक्षा मंत्रालय की ओर से बड़े स्तर पर एनटीए में बदलाव किया गया है। सरकार ने NTA जुड़े करीब 47 अधिकारियों और कर्मचारियों को बर्खास्त किया गया है। सरकार ने बताया कि इनमें कुछ के खिलाफ कानूनी एक्शन भी लिया जाएगा। बताया जा रहा है कि शिक्षा मंत्रालय की ओर से किया गया यह एक्शन एनटीए में बड़े सुधार और जवाबदेही तय करने के लिए शुरू किए गए बड़े अभियान का प्रारंभिक हिस्सा है। माना जा रहा है कि शिक्षा मंत्रालय की ओर से आने वाले दिनों में एनटीए से जुड़े और भी कई अहम कदम उठाए जा सकते हैं। हाल में ही पेपर लीक और संबंधी अनियमितताओं के आरोपों को लेकर एनटीए विवादों में रहा है। इस बात का ध्यान रखते हुए शिक्षा मंत्रालय ने ढांचे और कार्यप्रणाली में व्यापक बदलाव की प्रक्रिया शुरू की गई है। मंत्रालय के अनुसार, एनटीए के पुनर्गठन को लेकर यह एक्शन लिया गया है। विश्वसनीयता और जवाबदेही बनाई जा सके।

बांग्लादेश में बड़ा उलटफेर, राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने दिया इस्तीफा

बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा स्पीकर हाफिज़ उद्दीन अहमद ने स्वीकार कर लिया है। चूंकि राष्ट्रपति का पद खाली है, इसलिए संविधान के अनुसार, नए राष्ट्रपति के पद संभालने तक स्पीकर राष्ट्रपति का काम करेंगे। स्पीकर ने कहा कि वह बहुत बीमार हैं। उन्होंने इसलिए इस्तीफा दिया, क्योंकि कई बीमारियों के फैलने की वजह से वह शारीरिक और मानसिक रूप से राष्ट्रपति जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक पद का काम करने में असमर्थ हैं।

बांग्लादेश के आउटलेट प्रथम आलो के अनुसार संविधान के आर्टिकल 50 (3) के अनुसार, राष्ट्रपति स्पीकर को भेजे गए अपने साइन किए हुए पत्र के ज़रिए इस्तीफा दे सकते हैं और आर्टिकल 54 में कहा गया है कि अगर राष्ट्रपति का पद खाली है या अगर वह गैरहाजिरी, बीमारी या किसी और वजह से अपना काम नहीं कर पा रहे हैं, तो स्पीकर तब तक राष्ट्रपति का काम करेंगे जब तक नया राष्ट्रपति नहीं चुना जाता। संविधान के आर्टिकल 123 (2) के अनुसार, अगर राष्ट्रपति का पद मौत, इस्तीफ़ा या हटाए जाने की वजह से खाली होता है, तो अगले 90 दिनों के अंदर नया राष्ट्रपति चुना जाना चाहिए। संविधान के आर्टिकल 48 (1) के अनुसार, राष्ट्रपति का चुनाव पार्लियामेंट के सदस्यों के वोटों से होता है। राष्ट्रपति के इस्तीफे के बाद बांग्लादेश में संवैधानिक प्रक्रिया के तहत नए राष्ट्रपति के निर्वाचन की तैयारियां शुरू होने की संभावना है। निर्धारित प्रावधानों के अनुसार संसद के निर्वाचित सदस्य नए राष्ट्रपति का चुनाव करेंगे। जब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक कार्यवाहक व्यवस्था के तहत स्पीकर राष्ट्रपति के संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करेंगे। संवैधानिक विशेषज्ञों का कहना है कि राष्ट्रपति पद रिक्त होने की स्थिति में शासन व्यवस्था की निरंतरता बनाए रखने के लिए संविधान में स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं। इनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सर्वोच्च संवैधानिक पद खाली होने के बावजूद सरकारी और संवैधानिक कार्यों पर किसी प्रकार का प्रभाव न पड़े तथा प्रशासनिक प्रक्रिया सुचारु रूप से चलती रहे। बांग्लादेश के राजनीतिक घटनाक्रम पर देश के विभिन्न राजनीतिक दलों और संवैधानिक संस्थाओं की भी नजर बनी हुई है।

आगामी राष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया और नए राष्ट्रपति के चयन को लेकर संसद की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। निर्वाचन की समयसीमा और अन्य औपचारिकताएं संविधान में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार पूरी की जाएंगी। फिलहाल राष्ट्रपति के इस्तीफे के बाद देश में संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। अब सभी की नजर नए राष्ट्रपति के चुनाव और उसके बाद बनने वाली संवैधानिक व्यवस्था पर रहेगी, जो बांग्लादेश के संविधान में निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार संपन्न होगी।

कनाडा, अमेरिका के साथ व्यापारिक बातचीत में अपने हितों की रक्षा की पहल करेगा : कनाडाई पीएम कार्नी

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि उनकी सरकार हाल ही में अमेरिकी की टैरिफ धमकियों के जवाब में देश के हितों की रक्षा के लिए जो भी करना होगा करेगी। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कार्नी ने गुरुवार को प्रिंस एडवर्ड आइलैंड के शार्लेटटाउन में राज्य और इलाके के नेताओं की एक मीटिंग में यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा कि कनाडा, वाशिंगटन से व्यापार के दबाव के बावजूद अपने मजदूरों, किसानों, बिजनेस और परिवारों की रक्षा और मदद करेगा।

पीएम कार्नी ने कहा, "18 महीने पहले जब यह ट्रेड वॉर शुरू हुआ था, तब की तुलना में हम अब ज्यादा मजबूत स्थिति में हैं। हम खुद कनाडाई लोगों के पक्के इरादे और इस टेबल पर मौजूद प्रीमियर्स के फोकस की वजह से ज्यादा मजबूत स्थिति में हैं।"

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कुछ कनाडाई सामानों पर 50 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाने के लिए उद्घोषणा पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि कनाडा अमेरिकी वाणिज्य के साथ भेदभाव कर रहा है। 1930 के टैरिफ एक्ट के सेक्शन 338 का इस्तेमाल करते हुए, ट्रंप ने कुछ खास कनाडाई इंपोर्ट पर नई ड्यूटी लगाने के लिए तीन अलग-अलग प्रोक्लेमेशन पर साइन किए।

जयपुर में वाल्मीकि समाज का हल्ला बोल, आदर्श नगर दशहरा ग्राउण्ड में लगाया धरना

वाल्मीकि सेना, अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस व सफाई कर्मचारी यूनियन से जुड़े संगठनों के संयुक्त आह्वान पर नवीन सफाई कर्मचारी भर्ती में अस्थाई सफाई मजदूरों को सीधा चयनित करने, कोर्ट केस करने वाले अस्थाई सफाई मजदूरों को सीधा भर्ती करने, वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता देने, संविदा के बजाये सीधी भर्ती किये जाने की मांग को लेकर जयपुर स्थित दशहरा ग्राउण्ड आदर्श नगर में राजस्थान प्रदेश के अस्थाई सफाई मजदूर व वाल्मीकि समाज के लोगों ने महा आंदोलन किया जिसमें प्रदेश के विभिन्न नगरीय निकायों से हजारों की संख्या में अस्थाई सफाई मजदूर व वाल्मीकि के नेतागण ने भाग लिया। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस यूनियन के जिलाध्यक्ष बंटी वाल्मीकि ने कहा कि इस सफाई कर्मचारी की भर्ती में पहला और आखिरी हक प्रदेश के उन सफाई मजदूरों का है जो लम्बे समय से अस्थाई रूप से सफाई की सेवा दे रहे है। अस्थाई सफाई मजदूरों को इस भर्ती में बिना लॉटरी, इंटरव्यू के सीधा भर्ती किया जाना चाहिये। प्रदेशाध्यक्ष कैलाश किशन लोहरा ने कहा कि कोर्ट केस करने वाले अस्थाई सफाई अभ्यर्थियों का सीधा चयन किया जावे। वाल्मीकि सेना के प्रमुख अनिल वाल्मीकि ने सरकार को चेताया कि यदि हमारी जायज मांगों को सरकार नकारती है तो प्रदेश में सफाई कर्मचारी झाड़ू डाउन जैसे कठोर कदम उठायेगी और सफाई व्यवस्था ठप्प करेगी। सूरज भाटिया ने कहा कि भर्ती संविदा के बजाये सीधी भर्ती की जावे।

सफाई यूनियन अध्यक्ष सेठी वाल्मीकि ने कहा कि अस्थाई सफाई मजूदरों का शोषण हो रहा है जबकि नौकरी पर पहला हक अस्थाई सफाई मजदूरों का है। इस दौरान वाल्मीकि सेना प्रमुख अनिल वाल्मीकि, अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कैलाश किशन लोहरा, सफाई कर्मचारी यूनियन अध्यक्ष सेठी वाल्मीकि, जिलाध्यक्ष बंटी वाल्मीकि, वाल्मीकि समाज अध्यक्ष सूरज भाटिया, महामंत्री सुनील घुसर, प्रदेश सचिव अमन भाटिया, सुनील घुसर, महामंत्री बिन्दर टांक, सम्राट, अनिल सारवान, मोनू, महेंद्र, हेमंत, गौरी, रिंकू सारसर, मोनू सारवान, विक्रम भाटिया, ज्योति धारीवाल, बिरजू द्रविड़ आदि मौजूद रहे।

लाल सागर में व्यापारिक जहाजों पर हमलों की अफ्रीकी संघ ने की निंदा, हूती समूहों से कार्रवाई रोकने की अपील

अफ्रीकी संघ (एयू) ने यमन के हूती समूह की ओर से लाल सागर में कमर्शियल तेल टैंकरों पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा की

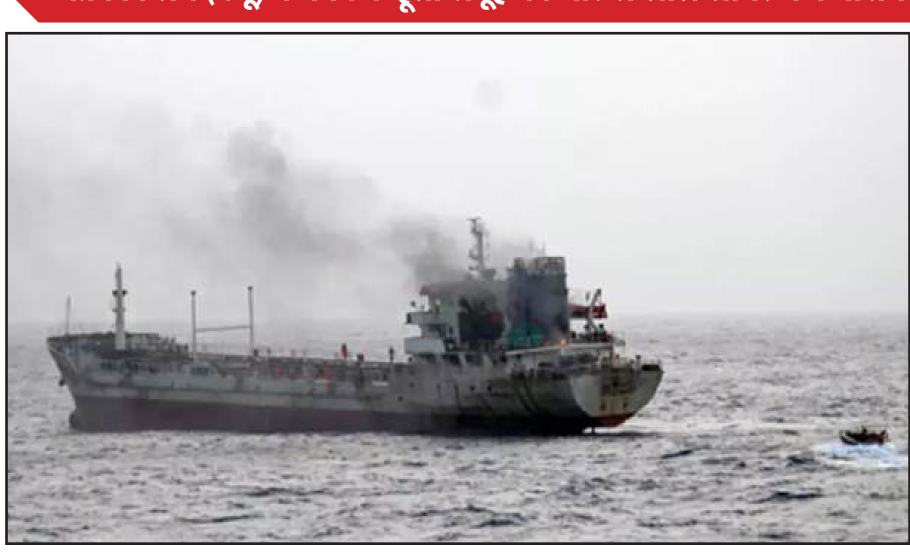

अदीस अबाबा। अफ्रीकी संघ (एयू) ने गुरुवार को यमन के हूती समूह की ओर से लाल सागर में कमर्शियल तेल टैंकरों पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा की। संघ ने चेतावनी दी कि इस तरह की कार्रवाई से तनाव खतरनाक स्तर तक बढ़ सकता है और इसका असर क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा पर गंभीर रूप से पड़ सकता है।

एक बयान में अफ्रीकी संघ आयोग के अध्यक्ष महमूद अली यूसुफ ने सऊदी अरब के साथ पूरी एकजुटता जताई और देश की सुरक्षा, संप्रभुता और स्थिरता के लिए संघ के 'मजबूत समर्थन' को दोहराया। यूसुफ ने कहा कि कमर्शियल जहाजों पर हमले करना और समुद्री यातायात की स्वतंत्र आवाजाही को रोकने की कोशिश करना अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक की स्थिरता के लिए बड़ा खतरा है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार समुद्र में आने-जाने की आजादी और व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा का पूरी तरह सम्मान किया जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि लाल सागर में समुद्री रास्तों की सुरक्षा अफ्रीका के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस इलाके की सुरक्षा का सीधा असर कई देशों पर पड़ता है। यूसुफ ने कहा, "कमर्शियल जहाजों की आवाजाही में किसी भी तरह की रुकावट से क्षेत्रीय समुद्री संपर्क, दुनिया की सप्लाई चेन, ऊर्जा सुरक्षा और उन कई अफ्रीकी देशों के आर्थिक हितों को नुकसान पहुंच सकता है, जिनका व्यापार इन सुरक्षित और लगातार चलने वाले समुद्री रास्तों पर निर्भर है।"

उन्होंने हूती समूह से अपील की कि वह 'तुरंत व्यापारिक जहाजों पर हमले बंद करे, ऐसे किसी भी कदम से बचे जिससे तनाव और बढ़े, और समुद्री यातायात से जुड़े अंतरराष्ट्रीय नियमों का पूरी तरह पालन करे।' इससे पहले गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर हूती समूह जहाजों पर हमले जारी रखता है तो उसे और ईरान को 'बड़ी सैन्य कार्रवाई' का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे हमले जारी रहते हैं तो अमेरिका इसके लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराएगा।

वाराणसी में 1.70 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में सीनियर रेलवे अधिकारी गिरफ्तार

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में नॉर्थ ईस्टर्न रेलवे (एनईआर) के सीनियर डिविजनल मैटेरियल्स मैनेजर को 1.70 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

सीबीआई ने गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) में रजिस्टर्ड एक प्राइवेट फर्म के मालिक की शिकायत के आधार पर 23 जुलाई को मामला दर्ज किया। शिकायतकर्ता का आरोप था कि उसकी कंपनी ने फरवरी और जून 2026 के बीच एनईआर, वाराणसी के सीनियर डिविजनल मैटेरियल्स मैनेजर के ऑफिस में 9.47 लाख रुपए का फर्नीचर सप्लाई किया था और सप्लाई के लिए पेमेंट का केवल कुछ हिस्सा ही मिला था।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि रेलवे अधिकारी ने 15 जुलाई को फर्म के रुके हुए पेमेंट को प्रोसेस करने और भविष्य के पेमेंट में मदद करने के बदले 1.70 लाख रुपए रिश्वत मांगी। सीबीआई ने कहा कि आरोपी ने शिकायतकर्ता को धमकी भी दी थी कि अगर रिश्वत की मांग पूरी नहीं की गई तो उसे भविष्य में कॉन्ट्रैक्ट नहीं मिलेंगे। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए सीबीआई ने 23 जुलाई को जाल बिछाया और अधिकारी को 1.70 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया।

NTA के 47 अधिकारी टर्मिनेट, आने वाले दिनों में कई बड़े बदलाव संभव, पूरी एजेंसी में बदलाव की शुरुआत

नीट पेपर लीक से नाराज छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बीच नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के अधिकारियों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। कुल 47 अधिकारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है। इसके साथ ही आने वाले दिनों में कई अन्य अधिकारियों को निकाले जाने की खबरें भी सामने आ रही हैं। सरकार परीक्षा व्यवस्था में बड़े स्तर का सुधार लाने की कोशिश कर रही है। इसी कोशिश में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने 47 अधिकारियों को नौकरी से निकाला है। इनमें से कुछ अधिकारियों के खिलाफ कानूनी और क्रिमिनल कार्रवाई भी की जाएगी। सरकार सुधार के लिए और भी कार्रवाई करेगी। यह कार्रवाई नेशनल टेस्टिंग एजेंसी में बड़े बदलाव का हिस्सा है। नीट पेपर लीक के बाद से यह एजेंसी लगातार विवादों में रही है। इसी वजह से अब पूरी एजेंसी में बड़े स्तर पर बदलाव किए जा रहे हैं। परीक्षा प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है और आने वाले दिनों में कई और बदलाव करने की बात कही है। हालांकि, सरकार ने संकेत दिए हैं कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देंगे। पीएम मोदी ने गुरुवार देर रात वीडियो मैसेज जारी कर बताया था कि सरकार पेपर लीक रोकने के लिए सख्त कानून लेकर आ रही है। शुक्रवार को कैबिनेट कमेटी ने इस विधेयक को मंजूरी दे दी। अब सोमवार को इसे सदन में पेश किया जाएगा। इसके तहत 10 साल की सजा, 10 करोड़ के जुर्माने का प्रावधान है।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415